# दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 163 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

सोमवार 15 सितंबर 2025 डाक-मंगलवार 16 सितंबर 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com



इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733


## प्रथमेश

### नेपाल में पदभार संभालते ही पीएम सुशीला कार्की का ऐलान, प्रदर्शन में जान गंवाने वालों को 'शहीद' का दिया दर्जा

काठमांडू ,15 सितंबर । नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने जेन-जी आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को 'शहीद' का दर्जा और उनके आश्रितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर बैन के फैसले के विरोध में हुए आंदोलन के बाद राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को देश की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई थी। सुशीला कार्की ने शपथ ग्रहण के दो दिन बाद कार्यभार संभाला। उन्होंने रविवार सुबह लैंचौर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर अपने कार्यकाल की शुरुआत की, जिसके बाद वे सिंह दरबार गईं। उन्होंने गृह मंत्रालय के भवन से अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन शुरू किया, क्योंकि पिछले मंगलवार को हिंसक प्रदर्शनों और आगजनी से मुख्य परिसर क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय को स्थानांतरित कर दिया गया था। कार्यभार संभालते ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल में हुए हिंसक प्रदर्शनों के पीड़ितों को तत्काल राहत प्रदान की। मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल ने कहा है कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों को 'शहीद' माना जाएगा और उनके परिवारों को 10-10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी।

## चेन्नई में जुटेंगे दुनिया भर के कोस्ट गार्ड, 2027 में भारत करेगा ग्लोबल समिट की मेजबानी

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। भारत 2027 में चेन्नई में पांचवें कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट (सीसीजीएस) की मेजबानी करेगा। यह आयोजन भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की स्वर्ण जयंती समारोह के साथ होगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह फैसला 11-12 सितंबर को इटली की राजधानी रोम में हुए चौथे सीसीजीएस में सर्वसम्मति से लिया गया। इस सम्मेलन में भारत समेत 115 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने कहा कि कोई भी देश अकेले समुद्री चुनौतियों के पूरे दायरे का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि 2027 का चेन्नई सम्मेलन एक समावेशी मंच बनेगा, जहां तटरक्षक बल आपसी भरोसा, सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी (साझा संचालन क्षमता) को और मजबूत करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को एक बार फिर साबित किया है। तीन दिवसीय इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय तटरक्षक फ्लीट रिव्यू और वर्ल्ड कोस्ट गार्ड सेमिनार शामिल होंगे। यह कार्यक्रम समुद्री सुरक्षा से जुड़े नए चुनौतियों पर वैश्विक संवाद और अंतरराष्ट्रीय समुद्री एकता को प्रदर्शित करने का मंच बनेगा। समिट के दौरान सीसीजीएस की अध्यक्षता का औपचारिक हस्तांतरण हुआ। इस मौके पर भारतीय डीजी ने इस सम्मेलन को साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने में वैश्विक तटरक्षक सहयोग का प्रतीक बताया। उन्होंने इटली कोस्ट गार्ड का मेहमाननबाजी के लिए और जापान कोस्ट गार्ड का सीसीजीएस सचिवालय की भूमिका निभाने के लिए आभार जताया।

## सुप्रीम कोर्ट का पूरे वक्फ कानून पर रोक से इनकार, 5 साल तक इस्लाम का पालन करने वाले प्रावधान को किया खारिज

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर फिलहाल रोक लगा दी है, हालांकि पूरे अधिनियम को खारिज करने से इनकार कर दिया।

अदालत ने उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए कम से कम 5 साल तक इस्लाम का पालन करना अनिवार्य था। कोर्ट ने कहा कि जब तक सरकार इस संबंध में स्पष्ट नियम नहीं बनाती, तब तक यह शर्त लागू नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने धारा 3(74) से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड प्रावधान पर भी रोक लगाते हुए कहा कि किसी कलेक्टर या कार्यपालिका को संपत्ति के अधिकार तय करने का अधिकार देना शक्तियों के पृथक्करण के खिलाफ है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक वक्फ संपत्ति से जुड़ा अंतिम निर्णय वक्फ ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट से नहीं हो जाता, तब तक वक्फ को संपत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता और न ही किसी तीसरे पक्ष के अधिकार बनाए जाएंगे।

बोर्ड की संरचना को लेकर अदालत ने कहा कि 11 सदस्यों में से बहुमत मुस्लिम समुदाय से होना चाहिए और अधिकतम तीन ही गैर-मुस्लिम सदस्य हो सकते हैं। साथ ही, जहां तक संभव हो, बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मुस्लिम होना चाहिए।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संपत्ति के पंजीकरण संबंधी प्रावधानों में कोई गलती नहीं पाई गई और कानून की संवैधानिक वैधता की धारणा बनी रहती है। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल केवल कुछ धाराओं पर अंतरिम सुरक्षा दी जा रही है, जबकि पूरे अधिनियम पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं है।

## मिनी पाकिस्तान बयान पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य कायम, पश्चिमी यूपी पर गरमाई सियासत

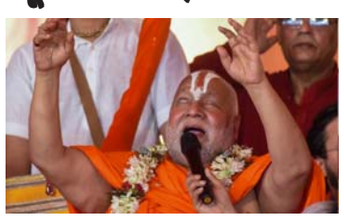

मेरठ,15 सितंबर (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिनी पाकिस्तान जैसा बताने वाले अपने बयान को दोहराते हुए कहा कि संभल, मेरठ और मुजफ्फरनगर जैसे क्षेत्रों से हिंदुओं का पलायन हो रहा है। हालांकि, अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने इस दावे को निराधार बताते हुए सांप्रदायिक सद्भाव की बात कही और कहा कि हिंदुओं को गुमराह किया जा रहा है।

आध्यात्मिक गुरु जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपनी पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक छोटे पाकिस्तान जैसा है वाली टिप्पणी दोहराई और कहा कि उत्तर प्रदेश में कई लोग हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए, आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि मैं आज भी यही कह रहा हूँ। संभल से हिंदू इतना पलायन क्यों कर रहे हैं? मेरठ और मुज़फ़्फ़रनगर में भी कई लोग हिंदुओं पर हावी हो रहे हैं। मैंने क्या गलत कहा? यह विवाद रामभद्राचार्य के एक बयान से उपजा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रहना छोटे पाकिस्तान जैसा लगता है।

## दिल्ली, हरियाणा और एनसीआर में गैंगस्टरों के 25 ठिकानों पर छापे, 380 पुलिसकर्मी तैनात, हथियार और लग्जरी गाड़ियां बरामद

द्वारका,15 सितंबर (एजेंसी)। जिला पुलिस ने दिल्ली और हरियाणा में 25 ठिकानों पर छापेमारी करके साल के सबसे बड़े गिरोह-विरोधी अभियानों में से एक को अंजाम दिया। इस कार्रवाई में द्वारका के डीसीपी की निगरानी में 25 पुलिस टीमों और 380 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कुल छापेमारी स्थलों में से 19 दिल्ली में और 6 हरियाणा-एनसीआर में थे। इस अभियान में विशेष रूप से कपिल सांगवान उर्फ नंदू और विक्की टक्कर के आपराधिक नेटवर्क को निशाना बनाया गया, जिन पर जबरन वसूली, हत्या और हथियारों की तस्करी के कई आरोप हैं।

25 छापेमारी स्थलों में से 19 दिल्ली में और 6 हरियाणा-एनसीआर में थे। यह कार्रवाई कपिल सांगवान उर्फ नंदू और विक्की टक्कर के आपराधिक नेटवर्क पर केंद्रित थी, दोनों ही जबरन वसूली, हत्या और हथियारों की तस्करी सहित कई हाई-प्रोफाइल अपराधों के लिए पुलिस की नज़र में रहे हैं। पुलिस ने छापेमारी के दौरान नकदी, हथियार और विलासिता की वस्तुओं का एक बड़ा जखीरा बरामद किया- 35 लाख नकद, लगभग 50 लाख मूल्य के सोने के आभूषण, 8 पिस्तौल, 29 ज़िंदा कारतूस और 3 मैगज़ीन, एक बुलेटप्रूफ टोयोटा फॉर्च्यूनर और एक ऑडी कार (पीबी13 बीएन0004), 14 महंगी लग्ज़री घड़ियाँ, लैपटॉप, आईपैड, एक कैश गिनने की मशीन और वॉकी-टॉकी सेट।

छापेमारी के दौरान, पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें से 6 को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जाँचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्धों का नंदू या विक्की टक्कर गिरोह से सीधा संबंध है। यह कार्रवाई कई जिलों में सक्रिय इन गिरोहों के प्रभाव को कमज़ोर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## झारखंड में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को ढेर किया, एक पर था 1 करोड़ रुपये का इनाम

हजारीबाग। झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। हजारीबाग के गिरहोर थाना क्षेत्र स्थित पनतीतरी जंगल में सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में एक करोड़ का इनामी माओवादी सहदेव सोरेन समेत तीन नक्सली ढेर हो गए। यह इलाका बोकारो और गिरिडीह जिले की सीमा से सटा हुआ है। जानकारी के अनुसार कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि सहदेव सोरेन किसी बड़ी नक्सली घटना की साजिश रच रहा है। इसी आधार पर जंगल में ऑपरेशन चलाया गया।

## छत्तीसगढ़ में पुजारी और पंडितों की बल्ले-बल्ले- मिलेगा 15 हजार मासिक मानदेय, संतों को मिलेगा लाभ

रायपुर,15 सितंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में सनातन धर्म और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षकों के लिए एक नई शुरुआत हुई है। राजधानी में चतुर्वर्णार्थ धर्म स्तंभ कार्डसिल की बैठक में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी पुजारी, पुरोहित और भागवताचार्यों को दिल्ली माडल की तर्ज पर प्रतिमाह 15 हजार का मानदेय मिलेगा।

बैठक की अध्यक्षता नागा संत हरिशंकर दास ने की। उन्होंने कहा, पुजारी और भागवताचार्य केवल मंदिर और अनुष्ठानों के संरक्षक नहीं हैं, बल्कि समाज की आस्था के दीपस्तंभ हैं। उनका सम्मान और सुरक्षा देना राज्य का कर्तव्य है।

अखिल भारतीय पुजारी-पुरोहित संघ के संयोजक डा. सौरव निर्वाणी ने बताया कि यह योजना सभी परंपराओं और जातियों के गृहस्थ संतों तक लागू होगी, जिससे हर समाज और धर्म के संत समान रूप से लाभान्वित होंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि संगठन प्रदेश के सभी पुजारियों को एक सूत्र में बांध रहा है और जिला-ग्राम स्तर पर पूरी सूची तैयार कर सरकार को सौंपेगा। डा. निर्वाणी ने इस पहल को छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति और साधु-संत परंपरा की गरिमा को पुनर्स्थापित करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया।

मासिक मानदेय योजना से हजारों पुजारी और भागवताचार्य लाभान्वित होंगे। दिल्ली माडल पर प्रदेश में ऐतिहासिक शुरुआत। सभी जातियों और परंपराओं के गृहस्थ संत योजना में शामिल होंगे। संघ के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से औपचारिक मांग पत्र सौंपेंगे। इस अनोखी पहल का प्रदेश के पुजारी और संतों ने स्वागत किया। अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ के राघवेंद्र दास, डा. रविंद्र द्विवेदी, छोटे राजा जेके लाल और अन्य संतों ने इसे सनातन धर्म की सेवा करने वालों की सुरक्षा और सम्मान करने वाला कदम बताया।

## खंडवा-खरगोन जिले के बार्डर पर डंपर और कार की टक्कर में एक की मौत, सात लोग गंभीर

खंडवा,15 सितंबर (एजेंसी)। खंडवा और खरगोन जिले के सीमावर्ती ग्राम खारवा के निकट रविवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए। दुर्घटना डंपर के गलत दिशा से आने पर हुई। बेकाबू डंपर टवेरा वाहन को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। बताया जाता है कि करणी सेना से जुड़े खरगोन के आभापुरी निवासी युवक रविवार को खंडवा में पथ अधिकार यात्रा रैली में शामिल होने आए थे। लौटते समय पंधाना थाना क्षेत्र में देर रात दुर्घटना हो गई।

दुर्घटना में टवेरा सवार रविराज सिंह तोमर निवासी आभापुरी की मौत हो गई। ये खरगोन भाजपा नेता कृष्णराज सिंह तोमर के भाई है। वहीं साथी युवक चंद्रपालसिंह तोमर को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया है। अन्य घायलों में शेलेंद्र सिंह तोमर, गोपाल सिंह, रविंद्र सिंह राजावत, हर्षराज सिंह, राजपाल सिंह तोमर, चंद्रपाल सिंह तोमर शामिल हैं।

इनका खंडवा व खरगोन में उपचार चल रहा है। हादसा इतना भयावह था कि टवेरा गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। हादसे से पूरे गांव में मातम पसर गया है। पंधाना थाना प्रभारी दिलीप देवड़ा ने बताया कि दुर्घटना एक की मौत और सात लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने डंपर ड्राइवर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल खंडवा भेजा गया है।

## वाह वाह

राजू- तुम अक्सर इतने सुकून से कैसे रहते हो?

सुरेश- मैं बेवकूफ लोगों से बहस नहीं करता,

मैं बस उन्हें कह देता हूं कि- हां तुम ठीक कह रहे हो

राजू- लेकिन ये तो एकदम बेतुकी बात है,

हमें अपनी बात मनवाकर रहना चाहिए

सुरेश- हां तुम ठीक कह रहे हो....

## दोस्तों के साथ घूमने गए युवक की शिवनाथ नदी में डूबने से मौत, 16 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

भिलाई,15 सितंबर (एजेंसी)। दुर्ग जिले में शिवनाथ नदी के छोटे पुल पर हादसा हुआ है, जहां 27 वर्षीय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ घूमने आया था, तभी अचानक पैर फिसलने से वह नदी के तेज बहाव में बह गया। घटना रविवार शाम की है, जबकि 16 घंटे की मशक्कत के बाद सोमवार सुबह उसका शव बरामद किया जा सका।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अहिवारा के निवासी दविंदर सिंह रंधावा के रूप में हुई है। रविवार शाम करीब 6 बजे दविंदर अपने तीन दोस्तों के साथ दुर्ग-धमधा मुख्य मार्ग स्थित शिवनाथ नदी के छोटे पुल पर गया था। दोस्तों से बातचीत के दौरान उसका अचानक पैर फिसल गया और वह 20 फीट गहरे पानी में गिर गया। नदी का बहाव तेज होने के कारण वह तुरंत बह गया। दोस्तों ने तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

## जेल में बंद चैतन्य बघेल की मुश्किलें बढ़ीं, पूर्व सीएम के बेटे पर ईडी के बाद ईओडब्ल्यू का शिकंजा

रायपुर ,15 सितंबर (एजेंसी)। चर्चित शराब घोटाले में अब पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र चैतन्य बघेल की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से उनके खिलाफ चालान पेश करने के बाद अब आर्थिक अपराध शाखा भी उनसे पूछताछ की तैयारी में है। ईओडब्ल्यू इस 3,200 करोड़ के घोटाले से जुड़ी कई एफआईआर के संबंध में चैतन्य को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।

यह घोटाला 2019 से 2022 के बीच कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुआ था, जिसकी जांच ईडी और ईओडब्ल्यू दोनों कर रही हैं। ईडी ने पहले इस घोटाले का अनुमान 2,161 करोड़ रुपये लगाया था, लेकिन ईओडब्ल्यू और एसीबी की संयुक्त जांच के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 3,200 करोड़ रुपये हो गया है। ईडी ने चैतन्य को घोटाले से प्राप्त 1000 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को रियल एस्टेट और अन्य जगहों पर निवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे रायपुर जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

इस घोटाले में अब तक कई बड़े हस्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, कारोबारी अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और भारतीय दूरसंचार सेवाअधिकारी अरुणपति त्रिपाठी शामिल हैं। इसके अलावा, ईओडब्ल्यू की चार्जशीट में नाम आने के बाद राज्य सरकार ने 22 आबकारी अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जबकि सात अन्य अधिकारी जो मामले में शामिल पाए गए थे, वे सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

जांच एजेंसियों का दावा है कि यह घोटाला एक सुनियोजित सिंडिकेट द्वारा चलाया जा रहा था, जिसमें राजनेता, उच्चाधिकारी और कारोबारी शामिल थे। ईओडब्ल्यू ने अपने पूरक चालान में राजफाश किया है कि इस सिंडिकेट ने विदेशी शराब कंपनियों से कमीशन वसूला और अवैध रूप से शराब बेची। ईडी भी मनी लांड्रिंग के कोण से जांच कर रही है और आरोप है कि घोटाले से कमाए गए अवैध धन का उपयोग रियल एस्टेट में किया गया, जिसमें चैतन्य बघेल से जुड़ी कंपनियों को फायदा पहुंचाया गया। जांच एजेंसियों ने इस घोटाले का संबंध महादेव एप घोटाले से भी जोड़ा है, जिसकी जांच भी ईडी कर रही है। दोनों मामलों में वित्तीय लेनदेन और संबंधित व्यक्तियों के बीच संभावित संबंधों की गहनता से जांच की जा रही है।

# रोटरी बिज़नेस कॉन्क्लेव का अभूतपूर्व आगाज

## ओडिशा और मध्यप्रदेश से भी पहुँचे प्रतिनिधि

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रोटरी क्लब द्वारा शनिवार को भव्य रोटरी बिज़नेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब की बिज़नेस वेबसाइट का विधिवत विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब के 8 चैप्टरों के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के साथ-साथ ओडिशा और मध्यप्रदेश से भी प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन संजय बुधिया ने बताया कि इस वेबसाइट के माध्यम से प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों और देशों से भी रोटेरियन जुड़ सकेंगे तथा आपसी व्यवसायिक जानकारी एवं अनुभवों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। इसके लिए प्रत्येक सदस्य को वेबसाइट पर अपना पंजीकरण करना होगा।

इस कार्यक्रम की बुनियाद एवं सोच रोटरी क्लब कोरबा के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन संजय बुधिया ने रखी है।

उन्होंने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से सदस्यों के बीच आपसी व्यवसायिक सहयोग और अधिक सशक्त होगा।

करीब चार घंटे चले इस कॉन्क्लेव में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख उद्योगपति रमेश अग्रवाल, अविनाश बिल्डर्स के आनंद सिंघानिया, पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी, उद्योग विभाग के निदेशक प्रभात मलिक (आईएएस), पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राकेश दवे, डीजी अमित जायसवाल, नितिन चतुर्वेदी, उमेश गर्ग, नवीन आहूजा, रितेश जिंदल, प्रकाश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अजय गोयल, उत्तम गर्ग, भरत दागा, सम्बलपुर से जितेन्द्र शर्मा, रंजीत हुरा, खरसिया से राकेश अग्रवाल, बिलासपुर, भिलाई और जबलपुर रोटरी क्लबों के अनेक सदस्य सम्मिलित हुए। कोरबा से रोटेरियन मनीष अग्रवाल, साकेत बुधिया, संतोष जैन, प्रशांत मुरारका, निकेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सतनाम मल्होत्रा, राजेश सलूजा, संजय अग्रवाल (गुड्डु), आशीष मोदी, किशोर अग्रवाल,सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समाजसेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के साथ अब रोटरी का मुख्य उद्देश्य व्यवसायिक वर्ग को एक साझा मंच पर जोड़कर व्यापार और उद्योग में नए अवसर प्रदान करना भी है।

# कोयला कर्मियों के बोनस निर्धारण का बदल सकता है पैटर्न

## कोल सेक्टर में बोनस को लेकर होने लगी चर्चा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया प्रबंधन कामगारों को दिए जाने वाले परफार्मेंस लिंक्ड रिवार्ड (पी एल आर) यानी के बोनस निर्धारण के मौजूदा पैटर्न में क्या बदलाव करेगा। कोल सेक्टर में कुछ इस तरह की सुगबुगाहट भी सुनाई पड़ रही है।

कोल इंडिया एवं अनुषांगिक कंपनियों तथा एसईसीएल के कामगारों को एक समान परफार्मेंस लिंक्ड रिवार्ड बोनस प्रदान किया जाता है। हर साल बोनस का निर्धारण मानकीकरण समिति की बैठक में होता है। इस बैठक में प्रबंधन और यूनियन के बीच बोनस की रकम को लेकर बार्गेनिंग होती है। 22 सितम्बर को नई दिल्ली में जेबीसीसीबाई- 11 की मानकीकरण समिति की बैठक होने जा रही है। सूत्रों से चता चला है कि सीआईएल प्रबंधन बोनस तय करने के मौजूदा पैटर्न में बदलाव का प्रयास कर सकता है। बताया जा रहा है कि इसके लिए कोल इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशकों का दबाव है। ये निदेशक केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।कहा जा रहा है कि बोनस भुगतान को लेकर हर साल कैग की आपत्ति आ रही है। दरअसल कैग सवाल कर रहा है कि बिना किसी स्कीम निर्धारण के बोनस का भुगतान कैसे किया जा रहा है। पिछली बार सीआईएल प्रबंधन ने बोनस निर्धारिण के मौजूदा पैटर्न में बदलाव का प्रयास किया था, लेकिन यूनियन ने इसे खारिज कर दिया था। बताया जा रहा है कि पीएलआर के लिए योजना बहुत पहले बन जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जेबीसीसीआई की मानकीकरण समिति में बोनस तय करने की परंपरा जो शुरू की गई, वो अब भी जारी है।

कोल इंडिया लिमिटेड का वित्तीय वर्ष 2024- 25 में कंसोलिडेट प्रॉफिट 37369.13 करोड़ रुपए था। जबकि 2023- 24 में कंसोलिडेट प्रॉफिट 37302.10 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। यानी 2024- 25 में 2023- 24 के मुकाबले मुनाफे में 5.53 प्रतिशत की गिरावट आई।

बावजूद इसके कोल इंडिया का प्रॉफिट बेहतर रहा है। इस लिहाज से कोयला कामगारों को उम्मीद है कि 2025 का बोनस एक लाख रुपए के पार होगा। 2024 में कामगारों को 93 हजार 750 रुपए बतौर बोनस का भुगतान हुआ था।

# हरदीबाजार गाँव की जमीन पर सर्वे की तैयारी

## आकस्मिक स्थिति से निपटने बल उपलब्ध कराने लिखा गया पत्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल दीपका खदान के लिए अधिग्रहित हरदीबाजार गाँव की जमीन पर सर्वे की तैयारी चल रही है। ग्रामीण पहले से इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं अब प्रशासन ने सर्वे के दौरान आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए महिला व पुरुष बल उपलब्ध कराने एएसपी कटघोरा को पत्र लिखा है। ग्रामीणों ने इसे लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि एसईसीएल प्रबंधन और प्रशासन को पहले उनकी मांगें पूरी करनी चाहिए।

एसडीएम पाली की ओर से अधिग्रहित क्षेत्र में सर्वे को देखते हुए एएसपी कटघोरा को पत्र लिखा गया है। जिसमें कहा है कि एसईसीएल दीपका परियोजना के लिए ग्राम हरदीबाजार की अधिग्रहित भूमि एवं भूमियों पर रिहायशी परिसंपत्तियों के सर्वे किया जाना है। एसईसीएल दीपका परियोजना के लिए वर्ष 2004 और वर्ष 2010 में ग्राम हरदीबाजार की जमीन का अधिग्रहण किया गया है। इस भूमि और इस स्थित परिसंपत्तियों का सर्वे एसईसीएल की ओर से कराया जाना है। सर्वे कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थित निर्मित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार पुरुष व महिला पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने कहा गया है।

# श्यांग शरीफ में बाबा ख्वाजा सूफी शमसुद्दीन नक्शबंदी का उर्स सम्पन्न

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर श्यांग शरीफ में बाबा ख्वाजा सूफी शमसुद्दीन नक्शबंदी का 12वां सालाना उर्स बड़े अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया गया। तीन दिवसीय उर्स का आगाज़ 10 सितंबर को परचम कुशाई से हुआ।

रात 9 बजे से तकरीर (प्रवचन) हुई। श्यांग शरीफ दरगाह के सज्जादा नशीन सलाहुउद्दीन नक्सबंदी सैयद शब्बीर अहमद अशरफी की सदारत मे कोरबा जामा मस्जिद के इमाम मौलाना ज़की आलम ने तक़रीर पेश की और मस्जिदे आला हजरत गेरवाघाट के इमाम हाफिज तनवीर आलम ने नात व मनकबत पेश की। उर्स के दूसरे दिन 11 सितंबर की रात 10 बजे से महफ़िले-सिमा (कव्वाली) का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश के मशहूर कव्वाल साक़िब अली साबरी ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। तीन दिन तक चले इस आयोजन में आसपास के जिलों से हज़ारों की संख्या में जायरीन शामिल हुए। अंतिम दिन 12 सितंबर, जुमा (शुक्रवार) को कुल की फ़ातिहा के साथ उर्स का समापन किया गया। उर्स के दौरान तीन दिनों तक युवा कमेटी श्यांग शरीफ के द्वारा आम लंगर चलाया गया।

श्यांग शरीफ़ दरगाह के चेयरमैन हाजी अख़लाक खान अशरफ़ी ने सभी अकीदतमंदों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष भी बड़े अकीदत के साथ बाबा साहब का उर्स मनाया गया व देश मे अमन शांति के लिए दुआ की गयी। उर्स में हजारों की संख्या में जायरीन शामिल हुए। उर्स को सफल बनाने मे सरपंच, उप सरपंच, सचिव, पंच और समस्त ग्रामवासियो का सहयोग रहा। उन्होंने बताया कि दरगाह का तामीरी काम तेज़ी से चल रहा है और जल्द ही कोरबा जिला के ग्रामीण क्षेत्र श्यांग में छत्तीसगढ़ की खूबसूरत दरगाह तैयार हो जाएगी।कार्यक्रम का संचालन हाफिज जामे कौसर श्यांग शरीफ ने की। उर्स में मुख्य रूप से दरगाह के सेक्रेटरी अमीन खान कादरी, कार्यकारी अध्यक्ष व कैशियर मोहम्मद नूर बसर कादरी, नायाब कैशियर शेख अब्दुल्ला खान कादरी, जुम्मन खान रिजवी, सैयद अशफाक अली सहित दरगाह कमेटी, सुन्नी मुस्लिम जमात अंजुमन कमेटी श्यांग शरीफ व आस पास के सभी कमेटी के मेंबर उपस्थित रहे।

# मारपीट में घायल युवक की हुई मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मारपीट में घायल युवक की मौत हो गई। मामला थाना तक जाने के बजाय आपसी समझौता करा लिया गया। अब युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद मामले का खुलासा हुआ है। करतला थानांतर्गत ग्राम चोरभट्ठी में अर्जुन सिंह राठिया 38 वर्ष निवास करता था। वह खेती किसानी का काम कर पत्नी टेनकुंवर व तीन बच्चों का पालन पोषण करता था। गांव के एक सनकी युवक ने उस पर लाठी से हमला कर दिया था। जिसके कारण अर्जुन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था। मामले में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने के बजाए बैठक आयोजित कर दोनों पक्षों के बीच ईलाज कराने की शर्त पर सुलह नामा करा दिया गया।

घटना के करीब 4 माह बाद लगभग सप्ताह भर पूर्व अर्जुन के चेहरे में सूजन आ गया। उसके दांत और जबड़े में असहनीय दर्द होने लगा। पहले तो निजी अस्पताल में ईलाज कराया गया, इसके बाद अर्जुन को करतला अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां से 13 सितंबर को मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज अस्पताल में ईलाज के दौरान अर्जुन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अर्जुन के चेहरे में लगी चोट के कारण जबड़ा संक्रमित हो गया था। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

# सामाजिक कार्यकर्ता राजेश के प्रयास से दिव्यांग युवती को मिला ट्रायसिकल

## एडीजे ने स्वयं प्रदान कर बढ़ाया हौसला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सामाजिक सरोकार का सुंदर उदाहरण पेश करते हुए कोरबा न्यायालय के एडीजे ने ग्राम पंचायत बतारी की 20 वर्षीय दिव्यांग युवती चांदनी को ट्रायसिकल भेंट किया। लंबे समय से सहारे के अभाव में आने-जाने में कठिनाई झेल रही चांदनी को यह ट्रायसिकल मिलने से उसके जीवन में बड़ी राहत आई है। यह पहल सामाजिक कार्यकर्ता राजेश यादव के प्रयासों से संभव हुई। जानकारी मिलने पर उन्होंने युवती की समस्या को गंभीरता से लिया और समाज कल्याण बोर्ड के अधिकारियों तक गुहार लगाई। इसके बाद एडीजे ने स्वयं अपने हाथों से ट्रायसिकल प्रदान कर चांदनी का उत्साह बढ़ाया। ट्रायसिकल मिलने के बाद चांदनी के चेहरे पर खुशी झलक उठी। ग्राम बतारी में भी इस घटना से उत्साह का वातावरण बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने राजेश यादव सहित सभी अधिकारियों और पीएलवी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पीएलवी उपेंद्र राठौर समेत कोरबा के अन्य पीएलवी भी मौजूद रहे।

## राशिफल

मेष-घर-परिवार में जिम्मेदाराना व्यवहार प्रशंसा का हकदार बनाएगा। किसी नई दिशा में सकारात्मक सोच रंग लायेगी। किसी नये कार्य में रुचि से उत्साहित होंगे। रविवार एवं सोमवार को आकस्मिक किसी सुखद समाचार से मन प्रसा होगा। काफी दिनों से अवरोधित महत्वपूर्ण कार्य हल होंगे। बुधवार एवं शनिवार को किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से चिंतित होंगे।

वृषभ-पुरानी सभी समस्याएं हल होंगी। व्यावसायिक व्यस्तता से निजी जरूरतों के प्रति समयाभाव आड़े आएगा। कुछ नई शंकाएं पुराने संबंधों में कटुता पैदा करेंगी। जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति सतर्क रहें। संघर्ष के समय में भी कुछ अच्छे आसार नजर आएंगे। रविवार एवं मंगलवार को शासन-सत्ता में पकड़ मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में क्षमता का लाभ उठाएंगे।

मिथुन-किसी नये व्यवसाय के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। शासन-सत्ता के लोगों के लिए समय अनुकूल होगा। सोमवार एवं मंगलवार को महत्वाकांक्षाएं सकारात्मकता हेतु उद्वेलित करेंगी। परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिंतित होगा। मित्र के भेष में गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें।

कर्क- कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलताएं मिलेंगी। राजकीय कर्मचारियों को नौकरी में कुछ परिवर्तित स्थितियां सुखद लगेंगी। परिजनों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होंगे। सोमवार एवं बुधवार को स्वास्थ्य में छोटी-मोटी परेशानियां संभव। जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

सिंह-आर्थिक सुदृढ़ता हेतु मन नई योजनाओं पर केंद्रित होगा। नौकरी में अनवरत् श्रम से मन खिा होगा। रविवार एवं सोमवार को अच्छी अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। राजनीतिज्ञों की सक्रियता बढ़ेगी। शिक्षार्थियों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को अपने व्यवहार से सगे-संबंधियों के बीच प्रगाढ़ता बढ़ाएंगे।

कन्या-कुछ आर्थिक कठिनाईयां मन को परेशान करेंगी। विषम स्थिति में संयम से काम लें। आकस्मिक किसी सुखद समाचार से मन प्रसा होगा। राजकीय कर्मचारियों के स्थान परिवर्तन का योग है। घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की व्यस्तता होगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में अर्थाभाव अवरोधक बनेगा। किसी नये व्यवसाय में पूंजी निवेश से पूर्व अनुभवी लोगों से सलाह लें।

तुला-कुछ महत्वपूर्ण अवरोधित कार्य पूर्ण होंगे। शिक्षार्थियों का मन अनवरत् परिश्रम के लिए केंद्रित होगा। यह समय जीवन में बड़े परिवर्तन का है। अविवाहितों के विवाह तय होने का समय कहा जाएगा। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की सक्रियता से सावधान रहें। राजकीय कर्मचारियों के लिए नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर हो सकता है।


वृश्चिक-कोई धार्मिक आयोजन में व्यस्तता बढ़ेगी। लंबी दूरी की यात्रा संभव। आर्थिक क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का समय है। आय के साधन सुलभ होंगे। अच्छी योजनाओं द्वारा सफलता मिलेगी। सोमवार एवं मंगलवार को आय-व्यय में संतुलन बनायें। कार्यक्षेत्र में बचकाना स्वभाव पर नियंत्रण रखें।


धनु-धनागम के नये स्रेत बनेंगे। आर्थिक क्षेत्र में नई योजनाओं के क्रियान्वित होने से प्रगति होगी। उच्च स्तरीय लोगों से निकटता प्रगति की ओर अग्रसर करेगी। रोजगार में बड़े परिवर्तन का समय है। आकस्मिक कोई यात्रा लाभप्रद हो सकती है। शिक्षा में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा।


मकर-घर-परिवार में मांगलिक आयोजन संभव नये दायित्वों की वृद्धि से मन उनकी पूर्ति हेतु चिंतित होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में अर्थ व्यय संभव। सोमवार एवं मंगलवार को परिजनों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होंगे। शुक्रवार एवं शनिवार को महत्वपूर्ण स्थिति में बचकाना स्वभाव से कार्यक्षेत्र में छवि कुप्रभावित हो सकती है।


कुंभ-अच्छे विचार प्रतिभाओं को उजागर करने में सक्षम होंगे। राजनीतिज्ञों को अनुकूल वातावरण का लाभ मिलेगा। परिश्रम द्वारा महत्वपूर्ण योजनाओं को पूर्ण करेंगे। बढ़ती जिम्मेदारियां पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। सोमवार एवं मंगलवार को प्रयासरत् क्षेत्रों में थोड़े अवरोधों का सामना करना पड़ेगा।


मीन-इस सप्ताह बीती बातों को भूलना ही श्रेष्ठकर होगा, क्योंकि इससे संबंध अच्छे बनेंगे। भौतिक सुख-साधनों की पूर्ति में अत्याधिक व्यय संभव। रविवार एवं सोमवार को किसी निकट संबंधी से भावनात्मक कष्ट की आशंका है। किसी महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति हेतु परिश्रम तीव्र होगा। आकस्मिक कोई लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। शिक्षा प्रतियोगिता में कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। शुक्रवार एवं शनिवार को शासन सत्ता के लोगों को लाभ के अवसर मिलेंगे।

# अदाणी कोरबा पावर लिमिटेड का सेवा पर्व कल से होगा शुरू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अदाणी कोरबा पावर लिमिटेड पताढ़ी में विश्व ओजोन दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम 16 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इसी दिन संयंत्र प्रबंधन का सेवा पर्व भी शुरू होगा, जो 20 सितंबर तक चलेगी। ओजोन दिवस पर केपीएल संयंत्र के पर्यावरण विभाग की ओर से विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई की ओर थीम पर पर्यावरण संरक्षण व ओजोन परत की सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है, जो सेवा पर्व की भावना के अनुरूप है।




केपीएल संयंत्र का पर्यावरण विभाग अभियान के तहत अफसर-कर्मियों की एकजुटता से स्थानीय स्कूलों व समुदायों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करेगी। इनमें नुक्कड़ नाटक, जन जागरूकता रैली, कपड़े के थैलों का वितरण व पौधरोपण शामिल है। ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता, ठेका कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता, स्कूल के छात्रों के लिए निबंध, स्लोगन व चित्रकला स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। केपीएल कॉलोनी के रहवासियों के बीच वेस्ट से बेस्ट प्रतियोगिता होगी। कार्यक्रम के अंतिम दिन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

# बेटे से रंजिश का बदला लेने पिता पर किया हमला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कुसमुंडा क्षेत्र में बेटे से रंजिश का बदला लेने एक युवक ने उसके पिता पर डंडे से हमला कर दिया। घटना कुसमुंडा थाना अंतर्गत गेवरा बस्ती के शिक्षक मोहल्ला में रविवार सुबह हुई, जहां रहने वाले सोमनाथ पटेल की पड़ोसी संदीप दीवान से रंजिश है। नशे में सोमनाथ डंडा लेकर उससे मारपीट करने उसके घर पहुंचा, जहां संदीप के नहीं मिलने पर उसके पिता भागवत दीवान से विवाद करने लगा। इस दौरान उसने डंडे से हमला कर मारपीट की। भागवत दीवान के बचाव के लिए शोर मचाने पर पड़ोस का एक युवक पहुंचा। बीच-बचाव का प्रयास करने पर उसके चेहरे के हिस्से को दांत से काट लिया।

घटना के बाद आरोपी सोमनाथ वहां से भागकर अपने घर में जाकर छिप गया। घटना की सूचना मिलते ही कुसमुंडा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घायल भागवत दीवान को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। वहीं आरोपी सोमनाथ को पकड़ लिया। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंजाब में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिले।

बिहार के पटना में परीक्षा तिथियों की घोषणा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे बिहार लोक सेवा आयोग शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) 4.0 के अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस कर्मियों ने लाठीचार्ज किया।

छत्तीसगढ़ एनएचएम फेडरेशन के कार्यकर्ता छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर इंद्रावती नदी के पानी में जल सत्याग्रह करते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांगड़ा में आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा मित्र टीम के सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला और राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी दिखाई दे रहे हैं।

कृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) के कार्यकर्ताओं ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से सताए गए समुदायों के रहने के संबंध में गृह मंत्रालय की सरकारी अधिसूचना और सीएए के खिलाफ गुवाहाटी, असम में धरना प्रदर्शन किया।

काठमांडू में छात्रों ने कथित भ्रष्टाचार और नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बाद में सरकार ने इस फैसले को वापस लेने की घोषणा की।

# नेपाल की सड़कों पर सेना की गश्त, इंडिगो की काठमांडू के लिए उड़ान सेवाएं रद्द

काठमांड,15 सितंबर (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में नेपाली सेना गश्त कर रही है, जहां पिछले दो दिनों से हिंसा जारी है और विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया था। कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कल इस्तीफा दे दिया। भैरवा में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू कर दिया गया है।नेपाली मीडिया कांतिपुर मीडिया समूह के मुख्यालय में भी मंगलवार को आग लगा दी गई है। इमारत से अभी भी धुआं उठ रहा है। कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कल इस्तीफा दे दिया।नेपाल में हालात को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस ने काठमांडू जाने वाली उड़ानें अगले आदेश तक रद्द कर दी हैं। इंडिगो ने एडवाइजरी जारी कर बताया कि काठमांडू से आने और जाने वाली सभी उड़ानें 10 सितंबर को दोपहर 12 बजे तक रद्द रहेंगी। एयरलाइंस ने काठमांडू एयरपोर्ट के बंद होने को इसकी वजह बताया है। पुलिस ने बताया कि चितवन जिले में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को जिला प्रशासन कार्यालय और उससे सटे चुनाव कार्यालय में आग लगा दी। जिला न्यायालय, भू-राजस्व और सरकारी वकीलों के कार्यालयों में भी आग लगा दी गई, जिससे दस्तावेज नष्ट हो गए। भरतपुर और अन्य इलाकों में नगरपालिका और वार्ड कार्यालयों पर भी हमला किया गया।नेपाली कांग्रेस, यूएमएल और माओवादी केंद्र पार्टियों के स्थानीय कार्यालयों में आग लगा दी गई। भरतपुर के भटभटेनी सुपरमार्केट में मंगलवार शाम लगी आग बुधवार सुबह भी काबू से बाहर थी।नक्खू जेल में भ्रष्टाचार के आरोप में बंद राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व उप प्रधानमंत्री रबि लामिछाने को प्रदर्शनकारियों

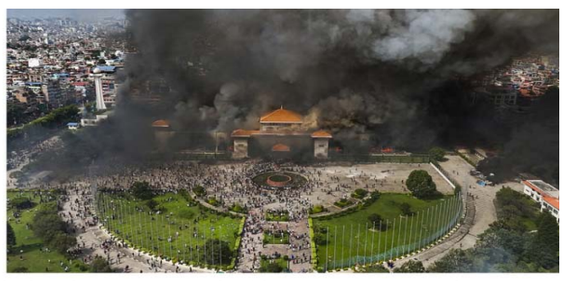

ने जेल से छुड़ा लिया। उन्हें बीते साल 18 अक्तूबर को गिरफ्तार किया गया था।छात्रों के आंदोलन के बाद जेल प्रशासन ने लामिछाने की सुरक्षा सुनिश्चित करने से मना कर दिया। इसके बाद, उनकी पत्नी निकिता पौडेल ने व्यक्तिगत तौर पर सुरक्षा की जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें जेल से बाहर निकाला। लामिछाने की रिहाई के बाद नक्खू जेल से सभी कैदी बाहर निकल गए। इस जेल में लगभग 1,500 कैदी बंद थे। बदले हालात में लामिछाने भी प्रधानमंत्री पद के दावेदार माने जा रहे हैं।आंदोलनकारियों ने नेताओं के घरों के साथ ही नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल समेत कई राजनीतिक दलों के दफ्तरों में भी आग लगा दी। सुरक्षाकर्मियों ने नेताओं व उनके परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश की। धनगढ़ी में प्रदर्शनकारियों ने जेल का फाटक तोड़ दिया, जिसके बाद सैकड़ों कैदी जेल से फरार हो गए। काठमांडो में जगह-जगह सड़कों पर टायर जलाकर रास्ता रोका गया। हामी नेपाल नामक संगठन वैसे तो 2015 से सक्रिय है लेकिन इसे 2020 में पंजीकृत कराया गया था। जानकारी के मुताबिक, इसका असल मुखिया संदर्क रूइट नामक एक सर्जन है। उसे हामी नेपाल ने अपना मेंटर बताया है। एनजीओ के 1600 से ज्यादा सदस्य हैं। हामी नेपाल ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटाने के लिए इंस्टाग्राम और डिस्कोर्ड एप का इस्तेमाल किया जिसमें ग्रुप चैट में लगातार निर्देश दिए जा रहे थे। गुरुंग लगातार आंदोलनकारियों को एकजुट करने में लगे हैं। वह लगातार वीडियो जारी कर कर रहे हैं। ऐसे ही एक वीडियो में उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने हमारे कई भाइयों और बहनों को मार डाला है। इसलिए इस सरकार को काबिज रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।नेपाल में आंदोलन भड़कने के बीच एक ही नाम सबसे ज्यादा सुर्खियों में आ रहा है, वो है 36 वर्षीय सुदन गुरुंग का। गुरुंग को ही जेन-जी के इस आंदोलन का चेहरा माना जा रहा है। वह हामी नेपाल नामक एक एनजीओ के कर्ताधर्ता हैं। उनका संगठन नेपाल में प्राकृतिक आपदाओं में मदद करने का दावा करता है। यह संगठन युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है, यही वजह है कि उनकी एक आवाज पर हजारों युवा सड़कों पर उतर आए।चीन ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे और नेपाल में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शन पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ओली का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लिया तथा चीन की जापान पर विजय की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित सैन्य परेड में शामिल हुए। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ओली के इस्तीफे और सोमवार को काठमांडो व अन्य क्षेत्रों में हुए विरोध प्रदर्शन की संक्षिप्त जानकारी दी। ओली दूसरे दक्षिण एशियाई नेता हैं, जिनका इस्तीफा उच्चस्तरीय चीन दौरे के बाद विद्रोह के बीच हुआ है इससे पहले बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के साथ भी ऐसा हो चुका है।

# तुम्हें मुक्का मारूंगा: डिनर पार्टी में ट्रंप के अफसरों में तू-तू, मैं-मैं, क्यों भिड़े बेसेंट और पुल्टे?

वॉशिंगटन ,15 सितंबर (एजेंसी)। डीसी के जॉर्जटाउन में एक क्लब में ट्रंप प्रशासन के अधिकारी पॉडकास्टर चमथ पालीहापितिया की बर्थडे पार्टी में पहुंचे थे। इस पार्टी में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और आवास वित्त प्रमुख बिल पुल्टे भी थे। पार्टी के दौरान जैसे ही कॉकटेल शुरू हुआ तो बेसेंट ने पुल्टे के खिलाफ अपशब्द बोलने शुरू कर दिए।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासनिक अफसर आपस में ही भिड़ रहे हैं। ट्रंप की सलाहकार शाखा के दो अफसर हाल ही में एक डिनर पार्टी में उलझ गए। दोनों के बीच बात यहां तक बढ़ गई कि एक ने दूसरे को मुक्का मारने की धमकी दे डाली। बाद में पार्टी में मौजूद अन्य लोगों ने दोनों को समझाकर शांत कराया। इसे लेकर डिनर पार्टी और अमेरिकी राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा रही।वाकया तीन अगस्त 2025 का है। वॉशिंगटन डीसी के जॉर्जटाउन में एक क्लब में ट्रंप

प्रशासन के अधिकारी पॉडकास्टर चमथ पालीहापितिया की बर्थडे पार्टी में पहुंचे थे। इस पार्टी में ट्रंप के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और आवास वित्त प्रमुख बिल पुल्टे भी थे। पार्टी के दौरान जैसे ही कॉकटेल शुरू हुआ तो बेसेंट ने पुल्टे के खिलाफ अपशब्द बोलने शुरू कर दिए। बेसेंट से किसी ने कहा कि पुल्टे ट्रंप के सामने उनके बारे में बुरा-भला कह रहे हैं।बेसेंट ने पुल्टे से गुस्से में पूछा कि तुम राष्ट्रपति से मेरे बारे में क्यों बात कर रहे हो? मैं तुम्हारे चेहरे पर मुक्का मार दूंगा। दोनों अफसरों के बीच तू-तू, मैं-मैं होते देख क्लब के सह मालिक ओमीद मलिक पहुंच गए। बेसेंट ने चिल्लाकर मलिक से कहा कि पुल्टे को क्लब से बाहर निकालो। या तो मैं यहां रहूंगा या फिर ये रहेगा। मुझे बताओ कौन यहां से बाहर जा रहा है?इस पर पुल्टे ने पूछा कि किसलिए बाहर जाना है? क्या बात करने के लिए? इस पर बेसेंट ने अपशब्द कहे और कहा कि नहीं। विवाद बढ़ता देख क्लब के सह मालिक मलिक ने दोनों को अलग किया और बेसेंट को क्लब के दूसरे हिस्से में ले गए। डिनर के दौरान भी दोनों को टेबल के अलग-अलग छोर पर बिठाया गया। इस वाकये को लेकर पार्टी में चर्चा का आलम रहा। पार्टी में परिवहन मंत्री सीन डफी, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक, आंतरिक सचिव डग बर्गम, कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, एसबीए प्रशासक केली लोफ्लर, मेडिकेड प्रमुख मेहमत ओज और उद्यमी डेविड सैक्स शामिल थे।

## लड़ाई का एक और मोर्चा खुलने का बढ़ा खतरा, पोलैंड का दावा- हवाई क्षेत्र में घुसे रूसी ड्रोन मार गिराए

वारसॉ 15 सितंबर (एजेंसी)। पोलैंड की सेना ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने रूस के ड्रोन्स को मार गिराया है। पोलैंड का कहना है कि रूसी ड्रोन्स ने यूक्रेन पर हमले के दौरान उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। पोलैंड की सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि %आज रूस द्वारा जब यूक्रेन पर हमला किया जा रहा था, तो उस दौरान रूसी ड्रोन्स जैसी चीजों ने बार-बार हमारे हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इन वस्तुओं की पहचान कर उन्हें तबाह कर दिया गया। बयान में कहा गया है, %पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल कमांडर ने सभी जरूरी कदम उठाए हैं। पोलैंड के विमान और सहयोगी विमान हमारे हवाई क्षेत्र में उड़ान भर रहे हैं, और जमीनी वायु रक्षा और रडार टोही प्रणालियां भी अलर्ट पर हैं।% रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से यह पहली बार है जब पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र में किसी ड्रोन को निशाना बनाया है। अमेरिकी संघीय उड्डयन प्रशासन (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) के अनुसार, हमले के बाद, पोलैंड ने एहतियातन अपने वारसॉ स्थित अपने मुख्य चोपिन हवाई अड्डे सहित चार हवाई अड्डों को बंद कर दिया। पोलैंड के दक्षिण-पूर्व में स्थित रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डे को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि रजेजो-जसियोंका हवाई अड्डा यूक्रेन के लिए यात्रियों और हथियारों के परिवहन का केंद्र है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया था कि रूसी ड्रोन नाटो-सदस्य पोलैंड के हवाई क्षेत्र में घुस आए हैं, लेकिन बाद में टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप से इस बयान को हटा दिया गया।

# अमेरिकी पैंतरा : भारत पर टैरिफ के बाद अब कंगाल पाक पर डाले डोरे, शहबाज शरीफ दोहरी चिंता में फंसे

इस्लामाबाद 15 सितंबर (एजेंसी)। दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर पिछले महीने 25त्न का भारी-भरकम टैरिफ लगाने के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने नया दांव चला है। भारत के साथ तनाव के बीच अमेरिका ने उसके पड़ोसी और आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। सोमवार को एक अमेरिकी कंपनी ने पाकिस्तान के साथ 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4150 करोड़ रुपये) के एक बड़े खनिज निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसने इस क्षेत्र में एक नई हलचल पैदा कर दी है।यह समझौता मिसौरी स्थित 'यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स' और पाकिस्तान के सबसे बड़े खननकर्ता 'फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन' के बीच हुआ है। समझौते के तहत, पाकिस्तान में महत्वपूर्ण खनिजों के खनन के साथ-साथ एक पॉली-मेटैलिक रिफाइनरी भी स्थापित की जाएगी। यह कदम वॉशिंगटन और इस्लामाबाद के बीच पिछले महीने हुए एक व्यापारिक समझौते की अगली कड़ी है। इस डील के बाद पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने इसे अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का एक और उदाहरण बताया।प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कार्यालय ने भी बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ तांबे, सोने और अन्य दुर्लभ खनिज संसाधनों पर बातचीत हुई है। शरीफ लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि पाकिस्तान के पास खरबों डॉलर का खनिज भंडार है, जो विदेशी निवेश से देश को कंगाली और कर्ज से उबार सकता है। यह अमेरिकी निवेश जहां पाकिस्तान के लिए एक बड़ी राहत बनकर आया है, वहीं प्रधानमंत्री

# नेपाल में बेरोजगारी... नेताओं के बच्चे जी रहे ऐशो-आराम की जिंदगी; इसी ने डाला आग में घी

काठमांडू 15 सितंबर (एजेंसी)।जेन जी ने नेपाल में तख्ता पलट कर दिया है। युवाओं का गुस्सा शांत होता नहीं दिख रहा। सत्तारूढ़ वर्ग के प्रति जेन जी का आक्रोश सोशल मीडिया पर दिख रहा है। नेताओं के बच्चों व सगे-संबंधियों की विलासितापूर्ण जिंदगी, परिवारवाद व भ्रष्टाचार ने नेपाल के युवाओं के आक्रोश की आग में घी डालने का काम किया है।

सोशल मीडिया पर युवाओं ने नेताओं के बच्चों की ऐशो-आराम वाली जिंदगी की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। संसद परिसर तक पहुंचे युवाओं ने नारे लगाए कि हमारा टैक्स, तुम्हारी रईसी नहीं चलेगी। ये सिर्फ गुस्से-गुबार का इजहार नहीं है, बल्कि एक डिजिटल विद्रोह है जो अब सड़कों पर दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया बैन ने बस उस आग में घी डालने का काम किया, जिसके पीछे लंबे

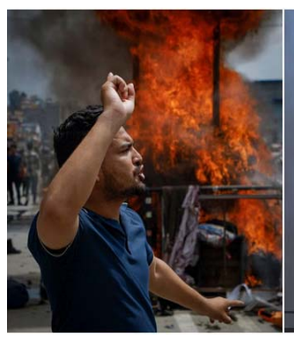

समय से जमा हताशा और आक्रोश पल रहा था।परिवारवाद के आरोपनेपाल की राजनीति में परिवारवाद राजधानी से लेकर गांव-कस्बों तक फैला हुआ है। नेपाली कांग्रेस में देउबा परिवार के कई सदस्य राजनीति में हैं। उदाहरण के तौर पर केपी ओली की रिश्तेदार अंजन शक्य को नेशनल असेंबली सदस्य बनाने की सिफारिश की गई और राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति भी कर दी।करीबी रिश्तेदार बने राजदूतऑस्ट्रेलिया, कतर, बांग्लादेश और स्पेन के लिए नेपाल के राजदूत के चुनाव पर गंभीर सवाल उठे। आरोप हैं कि इनमें से कई नेताओं के रिश्तेदार या नजदीकी थे, जबकि योग्य लोगों की अनदेखी कर दी गई। महेश दहाल को ऑस्ट्रेलिया का राजदूत बनाया गया, जो माओवादी नेता प्रचंड (पुष्प कमल दहाल) के करीबी रिश्तेदार बताए जाते हैं। नारद भारद्वाज को कतर भेजा गया। वह केपी शर्मा ओली के भरोसेमंद बताए जाते हैं।राष्ट्रपति और सेना प्रमुख ने की संयम बरतने व वार्ता की अपीलराष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने आंदोलनकारियों से शांतिपूर्ण समाधान के लिए संयम बरतने और वार्ता में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा, देश कठिन हालात से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए गतिरोध का समाधान खोजने के लिए देश, लोगों और लोकतंत्र से प्रेम करने वाले सभी पक्षों के सहयोग की जरूरत है।नेपाल के सेना प्रमुख ने कही यह बातनेपाल के सेना प्रमुख अशोक राज सिगदेल ने कहा, पीएम का इस्तीफा मंजूर हो जाने के बाद अब जनधन की और क्षति न हो। लोगों से अपील है।

# 85 इलाकों में सक्रिय हैं पाकिस्तानी बलात्कारी गैंग', ब्रिटिश रिपोर्ट से हड़कंप, सांसद ने की वीजा बैन की मांग

लंदन 15 सितंबर (एजेंसी)। ब्रिटेन में इन दिनों पाकिस्तानी मूल के अपराधियों और तथाकथित 'रेप गैंग' को लेकर एक तीखी और संवेदनशील बहस छिड़ गई है। ग्रेट यारमाउथ से निर्दलीय सांसद रूपर्ट लोव द्वारा जारी एक रिपोर्ट के बाद देश में हड़कंप मच गया है, जिसमें दावा किया गया है कि देशभर के 85 इलाकों में पाकिस्तानी बलात्कारियों के गिरोह सक्रिय हैं जो दशकों से भोली-भाली बच्चियों को अपना शिकार बना रहे हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सांसद ने सरकार से सभी पाकिस्तानी अपराधियों को देश से निकालने और पाकिस्तान को वीजा जारी करने पर रोक लगाने की मांग की है।सांसद रूपर्ट लोव लंबे समय से पाकिस्तानी मूल के प्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चला रहे हैं। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर एक पोस्ट में उन्होंने अपनी मांगों को और मुखर कर दिया। उन्होंने लिखा, अगर सरकार निर्वासन की धमकियों को लेकर गंभीर है, तो पाकिस्तान से शुरुआत करें। जब तक वे निर्वासित बलात्कारियों/अपराधियों को वापस स्वीकार नहीं कर लेते, तब तक पाकिस्तान को एक भी वीजा जारी न करें। इसके साथ ही, पाकिस्तान को भेजी जाने वाली विदेशी सहायता की पाई-पाई बंद करें। यह बहुत मुश्किल काम नहीं है।इस रिपोर्ट और मांगों को दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क का भी समर्थन मिला है।

मस्क ने लोव की जांच का समर्थन करते हुए ब्रिटेन की आप्रवासी नीतियों पर निशाना साधा था।रूपर्ट लोव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी मूल की मुस्लिम सांसद शबाना महमूद को ब्रिटेन की नई गृह मंत्री नियुक्त किया गया है। f

दलचस्प बात यह है कि शबाना महमूद ने खुद हाल ही में घोषणा की थी कि वह उन देशों के खिलाफ वीजा निलंबन जैसे सख्त कदम उठाएंगी, जो अपने 'अवैध और अपराधी' नागरिकों को वापस लेने से इनकार करते हैं। अब सांसद लोव उन्हीं के बयान का हवाला देकर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे हैं।अपराधियों के मुद्दे के अलावा, सांसद लोव ने ब्रिटेन में हलाल मीट पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय घोटाला बताते हुए कहा, हमें रिपोर्ट मिल रही है कि सार्वजनिक क्षेत्रों, यहां तक कि सैन्य विभागों में भी केवल हलाल मांस परोसा जा रहा है। क्या अभिभावकों को पता है कि उनके बच्चों को हलाल मांस खिलाया जा रहा है? हम किसी मुस्लिम देश में नहीं रहते। हमें हलाल वध पर प्रतिबंध लगाना ही होगा।यह पूरा विवाद ब्रिटेन में आप्रवासन के संवेदनशील मुद्दे से जुड़ा है। खासकर छोटी नावों के जरिए इंग्लिश चैनल पार करने वाले प्रवासियों की बढ़ती संख्या ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। एक अनुमान के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से अब तक 30,000 से अधिक लोग इस रास्ते ब्रिटेन पहुंचे हैं। पाकिस्तान उन देशों में शामिल है, जो अपने अपराधी और अवैध नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया में अक्सर देरी करता है, जिससे यह मुद्दा और भी जटिल हो गया है।

## सम्पादकीय...

# बाढ़ पीड़ितों को राहत

पंजाब बाढ़ पीड़ितों को राहत देने के मामले में मान सरकार ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए कई घोषणाएं की हैं। एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद मुख्यमंत्री मान ने कहा कि जिनके घर गिर गये हैं उन्हें सरकार 1.20 लाख रुपये देगी और जिनके घरों को मरम्मत की जरूरत है उन्हें 40 हजार रुपये की मदद दी जाएगी। एसडीआरएफ के तहत यह मुआवजा मात्र 6800 रुपए था। सीएम मान ने कहा कि उनकी सरकार 45 दिनों के भीतर सभी बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा देना सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित को जल्द से जल्द मुआवजा देना जरूरी है। एक किसान का बेटा होने के नाते मैं किसानों की परेशानियों को अच्छी तरह समझता हूं। जब तक एक-एक किसान को फसल नुकसान का मुआवजा नहीं मिल जाता, न मैं चैन से रहूंगा और न अफसरों को रहने दूंगा। मुख्यमंत्री ने अफसरों को आदेश दिया कि फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष गिरदावरी 13 सितंबर से शुरू की जाए और इस प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। इसके तुरंत बाद किसानों को मुआवजे के चेक मिलना शुरू हो जाएंगे। जिन जिलों में बाढ़ का प्रभाव नहीं पड़ा है, वहां के अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों और गांवों में तैनात किए जाएंगे ताकि आकलन का काम जल्द पूरा हो सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि फसल कोई भी हो, यदि नुकसान हुआ है तो मुआवजा जरूर दिया जाएगा। रिपोर्ट तैयार होने के बाद किसानों को आपत्ति दर्ज करने के लिए एक सप्ताह का समय मिलेगा ताकि गलती को सुधारा जा सके। इसके अलावा सीएम ने अधिकारियों को नदियों के टूटे तटबंधों की मरम्मत के लिए रोजाना निगरानी करने को कहा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिन गांवों में फसल 100 प्रतिशत नष्ट हो गई है, वहां गिरदावरी की प्रक्रिया केवल एक महीने में पूरी कर ली जाएगी और उसके तुरंत बाद चेक सौंपने शुरू कर दिए जाएंगे। जिन लोगों के पशु बाढ़ में बह गए या मर गए, उन्हें भी मुआवजा दिया जाएगा। यदि किसी की गाय या भैंस की मृत्यु हो गई है, तो सरकार 37,500 रुपए देगी, और यदि बकरी की मृत्यु हुई है, तो 4,000 रुपए दिए जाएंगे। अन्य सभी पशुओं को भी नियमों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा, जिनमें बैल, घोड़े, मुर्गियां, मछली पालन और अन्य जीव शामिल हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान प्रदेश में विशेष गिरदावरी करवा रहे हैं और उसकी रिपोर्ट आने के बाद गृहमंत्री और प्रधानमंत्री से मिलने की तैयारी में हैं ताकि फौरी राहत राशि के अलावा पंजाब को हुए नुकसान के अनुसार और राहत राशि मिल सके। पंजाब सरकार का उपरोक्त कदम ठीक दिशा में उठा कदम है। आशा करते हैं कि दिपावली तक बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि मिल जाएगी।

# भारत की डिजिटल क्रांति: परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

**राव इंद्रजीत सिंह**

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंत:क्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है।

यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ( एमईआईटीवाई ), वित्त मंत्रालय ( एमओएफ ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है।

जन धन-आधार-मोबाइल ( जेएएम ) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदम: एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस ( यूपीआई ) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्ज़ी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के ज़रिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं।

इसी दौरान, इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्राडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज़-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया। डिजी-लाकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज़-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह त्वरित चेक-इन, बेहतर यात्री अनुभव और बेहतर हवाई अड्डे की क्षमता में सुधार सुनिश्चित करती है, साथ ही विकेंद्रीकृत पहचान प्रबंधन के माध्यम से डेटा गोपनीयता की सुरक्षा भी करती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं - ये एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं।

डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस ( जेम ) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए, जेम ने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है - जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था। कृषि क्षेत्र, जिसे प्राय: परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरु कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफार्म ने यह सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुँचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके। डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसलें उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में, स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी ( कामन सर्विस सेंटर ) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए, जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक, हर चीज की पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के लिए एक कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफार्मों ने यह सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे। लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया, जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकार्ड तक पहुँच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में एक सहज वातावरण बन सका।

वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की एक पहल, ओपन नेटवर्क फार डिजिटल कामर्स ( ओएनडीसी ) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई-कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है। डिजिटल कामर्स के कार्यों को एकीकृत करके, ओएनडीसी प्रतिस्पर्धा के मैदान को समतल कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे व्यवसाय आसानी से लाजिस्टिक्स, भुगतान और ग्राहक प्रतिक्रिया प्रणालियों तक पहुँच सकें। नीति आयोग की अभिसरण भूमिका—मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है—जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएँ अंतर-संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# 2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

**प्रो. संजय द्विवेदी**

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है।

हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यत: हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं। यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से 'हिंदी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फ हिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वर्नाकुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे। हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

## सोशल मीडिया प्रतिबंध पर प्रदर्शन

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है।

पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है।

गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है।

उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफार्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं।

चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटाक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटाक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं।

यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार, रितखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं।

जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

## तरक्की का पुल

निर्मल असो

विधायक महोदय को एक दिन सपने में ख्याल आया कि कुछ बड़े काम करके नाम कमाया जाए। इस बहाने 'मिशन रिपीट' और जनता में फिर नाम हो जाएगा। वह जनता की खुशी के लिए तेजी से विकास करना चाहते थे। विधायक मुख्यमंत्री के ही धड़े से थे, लिहाजा उनके लिए सरकारी पैसे की कमी नहीं थी। वह जो मांग रखते थे, वही परियोजना पूरी हो रही थी। कमाल यह था कि उनके इलाके के सभी विभागों के आला अधिकारी सक्रिय हो चुके थे। पीडब्ल्यूडी सडक़ को चकाचक करती, तो जल शक्ति विभाग इसी को खोद कर पाइप बिछा देता और बीच-बीच में विद्युत आपूर्ति को अबाधित रखने के लिए तीसरा महकमा भी अपने हिसाब से पोल खड़े कर देता। देखते ही देखते स्कूलों को कालेजों में बदलने की मुहिम शुरू हुई, तो विधायक महोदय ने अस्पताल को मेडिकल कालेज बनवा दिया। जनता की खुशी के लिए उन्होंने गलियों को सडक़ का दर्जा देना शुरू कर दिया। पंचायतों को नगर परिषद बना दिया। विकास की धुन में विधायक महोदय ने शहर को अगली सदी में पहुंचाने की ठान ली। देश वैसे भी अब स्वदेशी होने लगा था, इसलिए चीन की सीमा से कहीं आगे निकल कर सोचा जा रहा था। विधायक सरकारी खर्च पर चीन के चोंगकिंग शहर गए तो वहां बने पुलों को देखकर इतने अभिभूत थे कि उन्होंने ठान लिया कि लौट कर अपने नगर को ऐसा ही एक अदद तोहफा देंगे। योजना बनी और धड़ाधड़ टेंडर भी हो गए। अब शहर के बीचों बीच पुल आलीशान था, जनता का मेजबान था। लोग दूर से पुल को देखते और खुश होते कि राज्य का पैसा उनके करीब आ रहा है। वह पुल पर भविष्य के विकास को चलता हुए देख रहे थे। जनता अब चाहने लगी कि वह पुल पर चले, इसलिए विधायक के पास पैरवी करने पहुंची, 'श्रीमन! पुल तो बन गया, लेकिन यह ऐसी जगह बना जहां इसके नीचे से न सडक़ और न ही कोई नाला या नदी गुजर रही है। इसके लिए कुछ किया जाए ताकि दुनिया को पता चले कि हमारा उद्देश्य है क्या।' विचार हुआ कि पहले पुल के नीचे सडक़ बना दी जाए, बरसात में नदी अपने आप बन जाएगी। जनता पुल को देखकर खुश रहने लगी। किसी ने सेल्फी सोशल मीडिया में क्या डाली, यह पर्यटक स्थल बन गया। अब डर यह लगने लगा कि पुल के पास पर्यटकों की भीड़ से कोई खतरा पैदा न हो जाए। भीड़ में पहलगाम जैसी घटना न हो जाए या किसी दिन पर्यटक पुल पर चढ़ गए तो कहीं टूट ही न जाए। इसलिए सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए। अब मौका विपक्ष के पास भी आ गया।

# 20 साल बाद फीलगुड फैक्टर क्रिएट

**अजीत द्विवेदी**

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने 2004 का लोकसभा चुनाव फीलगुड और शाइनिंग इंडिया के नारे और नैरेटिव पर लड़ा था। चारों तरफ चमकते भारत की तस्वीर दिखाई जा रही थी। लेकिन उनका गठबंधन चुनाव हार गया था। उस समय लगा था कि इन नारों ने लोगों को आहत कर दिया क्योंकि जमीनी हकीकत नारों से उलट थी। हालांकि अब रेट्रोस्पेक्टिव तौर पर देखें तो ऐसा लगता है कि आज बहुत सी चीजें जो भारत में अच्छी दिख रही हैं, जिनमें सड़कों का जाल एक चीज है, उसकी नींव उसी समय पड़ी थी। बहरहाल, उस समय फीलगुड का नारा फेल हो गया था।

उसके 20 साल बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है। लोगों को कम्फर्ट का अहसास दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने के वादे के साथ साथ यह बताया जा रहा है कि सरकार लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कितना कुछ कर रही है। चारों तरफ हरियाली दिखाने की कोशिश हो रही है। इस नैरेटिव की तात्कालिक परीक्षा बिहार विधानसभा चुनाव में होगी और उसके बाद पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुना में भी होगी।

सबसे पहले यह देखने की जरुरत है कि सरकार किन फैसलों से फीलगुड फैक्टर क्रिएट कर रही है और उसका क्या असर हो सकता है? लोगों को अच्छा महसूस कराने का बड़ा फैसला जीएसटी सुधार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से 15 अगस्त के अपने भाषण में ऐलान किया कि इस बार दिवाली पर डबल दिवाली मनेगी। उसके बाद सरकारी सिस्टम का पहिया इतनी तेजी से घूमा किया कि प्रधानमंत्री की घोषणा के एक महीना पूरा होने से पहले ही जीएसटी की दरों को बदलने का फैसला हो गया।

जीएसटी के 12 और 28 फीसदी के दो स्लैब खत्म हो गए और 12 फीसदी टैक्स वाली 90 फीसदी चीजें पांच फीसदी के टैक्स स्लैब में आ गईं। यानी इनकी कीमतों में सात फीसदी तक की कमी आएगी। कई चीजों पर जीरो टैक्स कर दिया गया और बड़ी गाड़ियों के ऊपर भले 40 फीसदी टैक्स कर दिया गया है लेकिन उस पर लगने वाला सेस हटा दिया गया तो उनकी कीमत में भी 10 फीसदी तक की कमी आएगी। बीमा के प्रीमियम पर से तो सरकार ने 18 फीसदी टैक्स को जीरो कर दिया। अब देखना है कि कंपनियां इसका कितना लाभ आम लोगों तक ट्रांसफर करती हैं।

यह सचमुच बहुत बड़ा फैसला है। रोजमर्रा की जरुरत की चीजों पर टैक्स घटाना, बीमा के प्रीमियम को सस्ता बनाना, छोटी व बड़ी गाड़ियों पर टैक्स कटौती, सीमेंट की कीमतों में कमी जैसी कई चीजें हैं, जिनसे लोग निश्चित रूप से अच्छा महसूस कर रहे हैं। ऊपर से सरकार का प्रचार है। सरकार के प्रचार को देख कर ऐसा लग रहा है जैसे अभी से पहले देश में कांग्रेस और राहुल गांधी की सरकार चल रही थी, जिन्होंने देश के लोगों पर बहुत सारा टैक्स लाद रखा था और अब 15 अगस्त 2025 को नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, जिन्होंने देश के लोगों को टैक्स की गुलामी से मुक्ति दिलाई है।

असलियत यह है कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही जुलाई 2017 में आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी लागू किया था। जीसटी की जिन दरों में कटौती की गई वो सारी दरें मोदी सरकार ने ही लागू की थीं और राहुल गांधी आठ साल से कह रहे थे कि ये दरें बहुत ज्यादा हैं और जीएसटी की व्यवस्था बहुत जटिल है। वे बार बार टैक्स कटौती और इसकी व्यवस्था को सरल बनाने की मांग कर रहे थे। लेकिन सरकार का नैरेटिव ऐसा है, जैसे राहुल और कांग्रेस ने टैक्स लगाए थे और जीएसटी को जटिल बनाया था और अब नरेंद्र मोदी की सरकार टैक्स कम कर रही है और जीएसटी को सरल बना रही है!

जो हो देश में फीलगुड आया दिख रहा है। लोगों कीमतें कम होने के इंतजार में हैं। त्योहारों में खरीदारी की तैयारी हो रही है। बाजार की भी अपनी तैयारियां हैं। कीमतें कम होने से महंगाई घटेगी और महंगाई घटेगी तो भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती करेगा, जिससे बाजार में मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी। मांग बढ़ेगी तो विकास दर में भी तेजी आएगी। ध्यान रहे चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास दर का अनुमान साढ़े छह फीसदी का था लेकिन वास्तविक दर 7.8 फीसदी रही।

इसके बावजूद रिजर्व बैंक ने पूरे साल की विकास दर का अनुमान साढ़े छह फीसदी से नहीं बढ़ाया क्योंकि उसको पता है कि अमेरिकी टैरिफ और भू राजनीतिक स्थितियों से आगे कुछ भी हो सकता है। सरकार सावधनी बरत रही है। उसकी उम्मीद इतनी है कि अगर अमेरिकी टैरिफ कम नहीं होता है तो उससे होने वाले नुकसान को जीएसटी में कटौती से बराबर किया जा सके। इतना भी हो गया तो बड़ी बात होगी। एक अनुमान अमेरिकी टैरिफ से 0.2 से 0.6 फीसदी नुकसान का है तो जीएसटी में कटौती से जीडीपी में 0.6 फीसदी की बढ़ोतरी का है।

बहरहाल, जीएसटी के अलावा इस बात से भी फीलगुड फैक्टर क्रिएट किया गया है कि सरकार ने कर मुक्त आय की सीमा बढ़ा कर 12 लाख रुपए कर दी। निश्चित रूप से यह बहुत बड़ा फैसला था। आमतौर पर केंद्र सरकार के बजट में मध्य वर्ग की नजर इस बात पर रहती थी कि आयकर में क्या छूट मिलती है। केंद्र सरकार ने आयकर छूट की सीमा बढ़ा कर 12 लाख रुपए कर दी है, जिससे नौकरी पेशा करोड़ों लोगों को फायदा हुआ है। यह प्रत्यक्ष कर में आजादी के बाद का सबसे बड़ा सुधार या सबसे बड़ी छूट थी तो जीएसटी में कटौती अप्रत्यक्ष कर में उसी साइज का सुधार है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर का यह सुधार निश्चित रूप से देश के लोगों को आर्थिक रूप से प्रभावित करेगा और मनोवैज्ञानिक रूप से भी प्रभावित करेगा। इससे एक सकारात्मक धारणा का निर्माण होगा, जिसे राजनीतिक फायदे में बदला जा सकता है।

भाजपा को सबसे पहले इसे बिहार में ही राजनीतिक फायदे में बदलना है। वहां इन दो बड़े फैसलों को अलावा अलग ही फीलगुड फैक्टर क्रिएट किया जा रहा है। बिहार के लोगों ने देश के बाकी हिस्सों की तरह अभी तक मुफ्त की चीजों का मजा नहीं चखा था क्योंकि नीतीश कुमार इसके खिलाफ रहते थे। अब भारतीय जनता पार्टी के असर में नीतीश सरकार ने पहली बार बिहार के लोगों को मुफ्त की चीजों का स्वाद चखाया है। राज्य में 125 यूनिट बिजली सभी के लिए फ्री हो गई है। इससे 60 फीसदी लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जिसमें वृद्धजन, दिव्यांगजन और विधवा महिलाएं शामिल हैं उसे चार सौ से बढ़ा कर 11 सौ रुपए कर दिया गया है।

( यह लेखक के अपने विचार है )

# हापुड़ में डीएफओ का स्टेनों चोरी-छिपे करता था वसूली वन मंत्री ने सबक सिखाने के लिए कर दिया ये काम



हापुड़15 सितंबर (एजेंसी)। डीएफओ (जिला वन अधिकारी) का स्टेनो आरा मशीन संचालकों से वसूली कर रहा था। नए डीएफओ के आने के बाद टीपी (ट्रांजिट पास) के नाम पर वसूली लिपिक ने दोगुनी कर दी थी। विरोध करने पर लाइसेंस केंसिल करने की भी धमकी देता था। इससे परेशान आरा मशीन संचालकों ने शहर विधायक से शिकायत की। विधायक ने डीएफओ व वन मंत्री से नाराजगी प्रकट की। प्रारंभिक जांच में आरोपित स्टेनो पर वसूली के आरोप सही पाए गए हैं। जिसके चलते वन संरक्षण ने स्टेनो का स्थानांतरण बुलंदशहर कर दिया है। वन विभाग में वसूली का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। आरा मशीन संचालकों से वसूली के साथ ही पेड़ काटने वाले ठेकेदारों से भी रुपए लिए जाते हैं। विभाग के कर्मचारी मिलीभगत कर प्रतिबंधित श्रेणी के हरे पेड़ों को भी कटवा देते हैं। पिछले दिनों गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से हरे पेड़ों के काटे जाने का मामला जोरशोर से उठाया गया था।आरा मशीन संचालकों ने बृहस्पतिवार को शहर विधायक विजयपाल आढ़ती से मुलाकात की।

नवीन कुमार, दीपक सिंह, राजीव कुमार, गोपाल सिंह, सचिन कुमार और मुकुल सिंह ने विधायक को बताया कि जिले से लकड़ी का बड़े स्तर पर निर्यात होता है। इसके लिए वन विभाग से टीपी (ट्रांजिट पास) की जरूरत होती है।पिछले दिनों तक टीपी के निर्धारित शुल्क के अलावा वन विभाग के अधिकारी दो से ढ़ाई हजार रुपया प्रति 30 टन पर लेते थे। उस समय नोएडा के डीएफओ पर हापुड़ का अतिरिक्त प्रभार था। पिछले दिनों हापुड़ में अर्शी मलिक को डीएफओ तैनात कर दिया गया। आरा मशीन संचालकों ने बताया कि तब से नए डीएफओ के नाम पर टीपी की वसूली बढ़ा दी गई है। अब टीपी की फीस के अलावा परमिशन देने के 400 रुपये टन लिए जा रहे हैं। ऐसे में 30 टन के जिस वाहन पर पहले 25 सौ रुपये लिए जाते थे, अब उसके 12 हजार रुपये लिए जा रहे हैं।

# पीएम मोदी के दौरे को लेकर लालू यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कसा तंज, तेजस्वी बोले- हम मुकदमों से नहीं डरते

पटना15 सितंबर (एजेंसी)।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने गुरुवार को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर फिर कटाक्ष किया। अपने एक्स हैंडल पर प्रधानमंत्री की एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि आप बिहार में जुमला सुनाने कब आएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री 15 सितंबर को पूर्णिया आने वाले हैं, जहां वे नवनिर्मित हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे और कई हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। लालू-तेजस्वी सहित राजद के नेता दौरे से पहले प्रधानमंत्री पर जुमला का आरोप लगाते रहे हैं। 22 अगस्त को प्रधानमंत्री के गया दौरे के दौरान तेजस्वी यादव ने एक कार्टून पोस्ट कर उन्हें जुमले-जी लिखा। उसके बाद तेजस्वी के लिए कानूनी मुश्किलें खड़ी हो गईं। भाजपा नेताओं ने महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में शिकायत दर्ज कराते हुए उन पर प्रधानमंत्री का अपमान करने का आरोप लगाया। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी ने गुरुवार को कहा कि न तो मेरे पिता लालू यादव मुकदमों से डरते थे और न ही मैं इन प्राथमिकी से डरता हूं।मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर तेजस्वी ने कहा कि वे एसआईआर के विरुद्ध नहीं, बल्कि इसे लागू करने के तरीके का विरोध कर रहे। आधार को पहचान-पत्र के रूप में मान्यता मिलने को उन्होंने अपनी बड़ी जीत बताई।

इसी के साथ अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार में हत्या, लूट, डकैती और दुष्कर्म



की घटनाएं बढ़ रही हैं। अपराधी निर्भीक होकर घूम रहे। कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों के जरिए सरकार पर बिहार को लूटने का आरोप लगाया। कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता सबक सिखाएगी।

# फोर्ब्स की सबसे युवा अमेरिकी अरबपतियों की सूची में शामिल हुए भारतवंशी बैजू भट्ट, इस कंपनी के हैं मालिक

ह्यूस्टन, 15 सितंबर (एजेंसी)। कमीशन-मुक्त ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म राबिनहुड के सह-संस्थापक भारतवंशी उद्यमी बैजू भट्ट को 2025 फोर्ब्स 400 की सूची में अमेरिका के 10 सबसे युवा अरबपतियों में शामिल किया गया है।40 वर्षीय भट्ट इस विशिष्ट समूह में भारतीय मूल के एकमात्र व्यक्ति हैं। वह मेटा के मार्क जुकरबर्ग जैसे तकनीकी दिग्गजों के साथ शामिल हैं। उनकी अनुमानित कुल संपत्ति लगभग 6-7 अरब डॉलर है। यह मुख्य रूप से राबिनहुड में उनकी छह प्रतिशत हिस्सेदारी से प्राप्त होती है। उन्होंने 2013 में व्लाद टेनेव के साथ मिलकर राबिनहुड शुरू किया था। उनके माता-पिता गुजरात से अमेरिका आए थे। भट्ट वर्जीनिया में पले-बढ़े। उन्होंने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में भौतिकी और गणित की पढ़ाई की।राबिनहुड प्लेटफॉर्म ने अमेरिका में खुदरा निवेश को पूरी तरह बदल दिया और कमीशन-मुक्त ट्रेडों की पेशकश की है। फोर्ब्स 400 में उनका शामिल होना युवा तकनीकी उद्यमियों के उदय और अमेरिका के वित्तीय एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारतवंशी के नेताओं की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाता है।

# गलत व्यक्ति को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखा, हाई कोर्ट ने अधिकारियों को लगाई फटकार



जम्मू, 15 सितंबर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने अनंतनाग जिले में अपने हमनाम के बजाय जेल में बंद एक व्यक्ति की हिरासत को रद कर दिया है।दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के रहने वाले इम्तियाज अहमद गनी को गलती से एक मिलते-जुलते नाम वाला व्यक्ति समझकर हिरासत में ले लिया गया था। न्यायमूर्ति मोक्षा खजूरिया काजमी की पीठ ने उनकी हिरासत को रद कर दिया।अनंतनाग के जिला मजिस्ट्रेट ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत दर्ज एक प्राथमिकी का हवाला देते हुए अप्रैल 2024 में गनी को एहतियात के तौर पर हिरासत में रखा था।अधिकारियों ने तर्क दिया था कि 2024 के आम चुनावों के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए उसको हिरासत में रखना जरूरी था।रिकॉर्ड की समीक्षा करने पर उच्च न्यायालय ने पाया कि प्राथमिकी गनी से संबंधित नहीं, बल्कि इम्तियाज अहमद वानी से संबंधित थी। अदालत ने कहा कि इस गलती के कारण हिरासत अवैध और अमान्य हो गई।गनी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस काजमी ने हिरासत में लेने वालों की बेशर्मी से गलती का बचाव करने के लिए फटकार लगाई और कहा कि यह आदेश स्पष्ट रूप से विवेक का प्रयोग न करने को दर्शाता है।अदालत ने 3 सितंबर को अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड (हिरासत के आधार) को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी किसी अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेने का इरादा रखते थे लेकिन गलत पहचान के कारण बंदी को उसकी जगह हिरासत में ले लिया गया है।अदालत ने कहा कि हिरासत रिकॉर्ड, जो विवादित आदेश का आधार है, यह दर्शाता है कि हिरासत प्राधिकारी विवादित आदेश पारित करते समय अपने समक्ष प्रस्तुत सामग्री पर विचार करने में विफल रहे हैं और यह चूक विवादित आदेश की जड़ तक जाती है। अदालत ने फैसला सुनाया कि हिरासत प्राधिकारी द्वारा विवादित आदेश जारी करते समय विवेक का प्रयोग न करना रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इसलिए यह कार्रवाई कानून की नजर में मान्य नहीं हो सकती।

अदालत ने गनी को जम्मू की कोट भलवाल जेल से तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया।

# हिंसा के बीच मथुरा लौटना चाहती हैं नेपाल राजघराने की बहू, बस इस बात का कर रहीं इंतजार

मथुरा, 15 सितंबर (एजेंसी)।नेपाल इन दिनों जेन-जी के हिंसक प्रदर्शनों और अराजक माहौल से जूझ रहा है। जहां कर्फ्यू जैसी स्थिति है और एयरपोर्ट आम नागरिकों के लिए बंद पड़े हैं। इसी बीच नेपाल राजघराने की बहू और मथुरा की बेटी शशि प्रभा शाह का दिल अपने मायके मथुरा लौटने के लिए बेकरार है। शशि प्रभा शाह का विवाह नेपाल के तत्कालीन राजपरिवार के भांजे बसंत विक्रम शाह से हुआ था। पति के निधन के बाद वह पशुपतिनाथ के रास्ते ज्ञानेश्वर स्थित कोठी में बेटे मोहित शमशेर शाह के साथ रहती हैं। जबकि बेटी नंदिता शाह की दोहा में कतर एयरलाइन के पायलट के साथ ब्याही हैं। ज्ञानेश्वर क्षेत्र में इस समय हालात भले ही कुछ शांत हों, लेकिन पूरे नेपाल में फैली हिंसा और अनिश्चितता ने उन्हें बेहद चिंतित कर दिया है। आवागढ़ राजघराने के उनके छोटे भाई कुंवर नरेंद्र सिंह ने बताया कि हर रोज बहन फोन कर हालात बताती हैं। वह बार-बार कहती हैं कि जैसे ही एयरपोर्ट से कोई फ्लाइट खुलेगी, चाहे दुबई हो या सिंगापुर घूमकर आना पड़े, लेकिन वह मथुरा आना चाहती हैं।

उनका दिल यहीं भाई के पास आने को धड़क रहा है। नरेंद्र सिंह ने कहा कि नेपाल की उथल-पुथल ने परिवार को गहरी चिंता में डाल दिया है। शशि प्रभा रोज तीन-चार बार संपर्क में रहती हैं और सुरक्षित मायके लौटने की उम्मीद जताती रहती हैं।उन्होंने बताया



कि वह छह भाई बहन थे। सबसे बड़ी बहन रानी रवि प्रभा सिंह जम्मू कंश्मीके पुंछ रियासत में ब्याही थीं। जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके बाद बड़े भाई अनिरुद्ध सिंह, मानवेंद्र सिंह हैं। इनके बाद इंद्रजीत सिंह थे, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। जिनके बाद शशि प्रभा थीं और सबसे छोटे स्वयं कुंवर नरेंद्र सिंह हैं।

# कतर बोला- इजरायल ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म की, अगले हफ्ते दोहा में अरब-इस्लामिक देशों की बैठक



दोहा, 15 सितंबर (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम को लेकर दोहा में हो रही बैठक के दौरान इजरायली हमले पर कतर ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शांति के लिए हो रही बैठक पर हमला करवाकर इजरायली बंधकों की रिहाई की उम्मीद को खत्म कर दिया है।कतर के प्रधानमंत्री शेख मुहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने यह बात संयुक्त राष्ट्र में कही है। कतरी प्रधानमंत्री ने बताया कि वार्ता से पहले मंगलवार सुबह एक इजरायली बंधक का परिवार उनसे मिला था।

वे लोग गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई का इंतजार कर रहे थे लेकिन वार्ता के दौरान हमले से सब कुछ खत्म हो गया। हमास और इजरायल के बीच मध्यस्थता कर रहे कतर में इजरायल के हवाई हमले पर अरब देशों में गुस्सा है। कतर में हमले पर विश्व ने जिस प्रकार से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है उससे इजरायल की गाजा सिटी पर हमले की योजना टल गई है।गाजा पट्टी के इस सबसे बड़े शहर के बाहरी हिस्सों पर कब्जे के बाद इजरायली सेना घनी आबादी वाले शहर के मध्य भाग पर हमला करने वाली थी। इस शहर को हमास का गढ़ माना जाता है और युद्ध के 23 महीनों में इजरायली सेना इस पर कब्जा नहीं कर पाई है। लेकिन हवाई हमलों और खाद्य सामग्री की आपूर्ति रोककर इजरायल सेना ने इस शहर को भारी नुकसान पहुंचाया है।माना जा रहा है कि हमास ने इजरायल से अपहृत बंधकों को यहीं पर कैद कर रखा है। कतर को अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी माना जाता है और यहां पर अमेरिका सैन्य अड्डा भी है। कतर में इजरायल के हमले ने क्षेत्र में और उसके बाहर के अमेरिका के सहयोगी देशों को चिंतित कर दिया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मुहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान कतर के साथ अपने मतभेद भुलाकर बुधवार को दोहा पहुंचे और उन्होंने कतर के शासक शेख तमीम बिन हामद अल थानी से वार्ता की।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी एकजुटता प्रदर्शित करने गुरुवार को दोहा पहुंचे हैं। उन्होंने इजरायली आक्रामकता को रोकने के लिए मुस्लिम देशों की एकजुटता पर बल दिया है। कतर ने हमले पर विचार के लिए अगले सप्ताह अरब-इस्लामिक देशों की बैठक दोहा में बुलाई है।इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि वह कतर और उन सभी देशों को आगाह कर रहे हैं जो आतंकियों को शरण देते हैं। ये देश आतंकियों को बाहर करें या उन्हें पकड़कर न्यायिक व्यवस्था के दायरे में लाएं। अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो वह काम इजरायल करेगा। उल्लेखनीय है कि कतर में वर्षों से हमास का राजनीतिक कार्यालय चल रहा है और वहीं पर गाजा को लेकर सभी तरह के निर्णय होते थे।

### चलती सेंट्रो में लगी आग दमकल ने पाया काबू मगर पूरी तरह जल गई कार

पटौदी। गांव ऊंचा माजरा में बृहस्पतिवार को एक चलती सेंट्रो कार में अचानक आग लग गई। मौके पर मची अफरातफरी के बीच फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने मॉरीशस समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ वाराणसी में द्विपक्षीय बैठक के दौरान।

# Gen-Z के बीच पीएम मोदी का क्रेज बोले- उनके जैसा नेता ही कर सकता है बदलाव

नई दिल्ली15 सितंबर (एजेंसी)। नेपाल में केपी शर्मा ओली सरकार के खिलाफ भड़के आंदोलन के बाद नेपाल के लोगों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसे नेता के हाथों में देश की बागडोर देने की मांग की है। नेपाल के लोगों ने बातचीत में देश के सामने मौजूद चिंताओं, उम्मीदों और दृष्टिकोण पर भी अपना पक्ष रखा। नेपाल में 35 घंटे तक चले सरकार विरोधी आंदोलन से संतुष्ट लोगों ने कहा कि नेपाल को पीएम मोदी जैसे नेता की जरूरत है, जो देश के कल्याण को प्राथमिकता दे सके। पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने उल्लेखनीय बदलाव किए और हम वैसी ही प्रगति



नेपाल में भी देखना चाहते हैं। फिलहाल के लिए, छोटी अवधि की सरकार बेहतर होगी, जिसके बाद बाकायदा चुनाव कराए जाने चाहिए। कुछ युवाओं का मानना है कि युवा नेता ही देश को बदहाली से उबार सकता है।

दीपेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि नेपाल को तत्काल ऐसे प्रधानमंत्री की जरूरत है, जो देश को एकजुट कर सके। इतना बड़ा आंदोलन हुआ और व्यक्तिगत या राजनीतिक विरोधाभासों पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय सभी नेताओं को मिलबैठकर देश के सामने मौजूद असल मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। एक अन्य युवक ने कहा कि नेपाल को भारत की तरह वैश्विक ताकत बनने पर जोर देना चाहिए। अगर हम तकनीकी और आर्थिक तौर पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें एक युवा और सक्रिय नेता की जरूरत है, जो नेपाल को भविष्य की तरफ ले जा सके। देश में कुछ राजनीतिक हस्तियों को लेकर तीखी आलोचना भी की जा रही है।एक युवक ने कहा कि सुशीला कार्की को नेपाल का प्रधानमंत्री नहीं बनाना चाहिए। बालेंद्र शाह, कुलमान घिसिंग और गोपी

# ब्रिटेन में दिवाली समारोहों में कटौती के खिलाफ उतरे सांसद, शुरू किया विरोध अभियान

लंदन, 15 सितंबर (एजेंसी)। ब्रिटिश भारतीय सांसद शिवानी राजा ने विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के एक अन्य सांसद नील ओ ब्रायन के साथ मिलकर लीसेस्टर शहर में वार्षिक दिवाली समारोह में कटौती करने की स्थानीय प्राधिकरण की योजना के खिलाफ अभियान शुरू किया है।राजा और ओ ब्रायन ने बुधवार को एक ई-याचिका शुरू की। इसका उद्देश्य लीसेस्टर सिटी काउंसिल पर दिवाली उत्सव को पूरी भव्यता से मनाने के लिए दबाव बनाना है। लीसेस्टर में होने वाले दिवाली आयोजन को भारत के बाहर सबसे बड़ा उत्सव बताया जाता है। यह मुहिम लीसेस्टर सिटी काउंसिल की उस घोषणा के बाद शुरू की गई है, जिसमें एक सुरक्षा सलाहकार समूह ने कहा था कि पारंपरिक स्टेज शो, दिवाली विलेज और आतिशबाजी इस साल 20 अक्टूबर को बेलग्रेव रोड में आयोजित होने वाले उत्सव का हिस्सा नहीं होंगे। लीसेस्टर ईस्ट की सांसद शिवानी राजा और हार्बरो, ओडबी और विगस्टन का प्रतिनिधित्व करने वाले ओ ब्रायन द्वारा शुरू की गई याचिका में कहा गया है, आइए इस त्योहार को इसके पूर्व स्वरूप की छाया न बनने दें।इसमें लीसेस्टर सिटी काउंसिल से दिवाली को पूरी भव्यता के साथ आयोजित करने देने का आह्वान किया गया है, जिसमें आतिशबाजी, सांस्कृतिक प्रदर्शन, फूड स्टाल और दिवाली गांव शामिल हैं।

# मनसे की कपिल शर्मा को दी चेतावनी, कहा- अपने शो में मुंबई को बॉम्बे कहना बंद करें, नहीं तो होगा आंदोलन

मुंबई15 सितंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने गुरुवार को हास्य अभिनेता कपिल शर्मा को अपने शो में मुंबई को बॉम्बे या बंबई न कहने की चेतावनी दी है। कहा कि यदि उन्होंने ऐसा करना बंद न किया तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह चेतावनी मनसे नेता अमेय खोपकर ने दी है।

यह चेतावनी शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा अपने चचेरे भाई और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के घर जाने के एक दिन बाद आई है। शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच स्थानीय निकाय चुनावों से पहले गठबंधन होने की चर्चा है। खोपकर ने कहा कि इस शहर का नाम मुंबई है। कपिल शर्मा



के शो में हम लंबे समय से देखते आ रहे हैं कि इस शहर को हमेशा बॉम्बे या बंबई कहा जाता है। हम इसका विरोध करते हैं। यह कोई आपत्ति नहीं, बल्कि गुस्सा है। इस शहर का नाम मुंबई है। यदि आप दूसरे शहरों जैसे चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता को उनके असली नामों से बुला सकते हैं तो हमारे शहर का अपमान क्यों कर रहे हैं। खोपकर ने कहा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि यदि यह गलती से हुआ है तो गलती सुधार लें। आपके शो में जो भी आए, चाहे वे सेलिब्रिटी हों या एंकर, उन्हें पहले बता दें कि वे मुंबई को बांम्बे या बंबई न कहें। उ

## सेंट्रल एवेन्यू रोड पर हेलमेट अनिवार्य, यातायात पुलिस की विशेष कार्रवाही आरंभ

भिलाई, 15 सितंबर (एजेंसी)। भिलाई की सेंट्रल एवेन्यू रोड (मुर्गा चौक से सेक्टर 9 चौक तक) पर यात्रा के दौरान हेलमेट पहनना सभी दोपहिया वाहन चालकों एवं सवारियों के लिए अनिवार्य किया गया है। यह सम्पूर्ण मार्ग ग्रे स्पॉट क्षेत्र में चिन्हित है, जहाँ लगातार सड़क दुर्घटनाएँ, रैश ड्राइविंग, मॉडिफाइड साइलेंसर से ध्वनि प्रदूषण, प्रेशर हॉर्न का दुरुपयोग एवं तीन सवारी के गंभीर मामले सामने आ रहे थे। इसके साथ ही जिले भर में कलेक्टर दुर्ग के आदेशानुसार नो हेलमेट ङ्क नो पेट्रोल नीति लागू की गई है, जिससे हेलमेट उपयोगिता को बढ़ावा मिले एवं दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके। इस क्षेत्र में वाहनों की संख्या प्रतिदिन तेजी से बढ़ रही है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना और अधिक बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है, तथा रेल चौक सेक्टर-6, मुरगा चौक सेक्टर-1, डीपीएस चौक एवं सेक्टर-8 चौक पर विशेष हेलमेट चेकिंग अभियान प्रारंभ किया गया है।

# संपत्ति विवाद हो सकता है कारण, पति-पत्नी, बेटा-बेटी की हत्या एक ही गड्ढे में दफना दिया शव

रायगढ़, 15 सितंबर (एजेंसी)।

खरसिया ब्लॉक के ठुसेकेला के राजीवनगर मोहल्ला में पति-पत्नी और बेटे-बेटी की हत्या मंगलवार रात कर दी गई। हत्यारे ने चारों के शव को दफनाने के लिए घर के पीछे बाड़ी में तीन फीट गहरा गड्ढा खोदा। बच्चों को सबसे पहले दफनाया, उसके ऊपर पिता का शव रख दिया।

आखिर में महिला के शव को दफना दिया। घर के लोगों ने उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं होने पर गुरुवार सुबह गांववालों को फोन लगाकर बात कराने को कहा गया। तब हादसे की जानकारी हुई। हत्या की वजह संपत्ति विवाद होने की आशंका जताई जा रही है।घटना की जानकारी खरसिया चौकी प्रभारी ने उच्चाधिकारियों को दी गई। पुलिस की टीम, फॉरेसिंक और डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची। घर के पीछे बाड़ी जहां बदबू आ रही थी वहां खोदा गया।



जहां एक की गड्ढे में पति-पत्नी और दोनों बच्चों का शव मिला।पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी के बाद डॉग स्क्वॉयड की टीम मौके पर पहुंची। खोजी डॉग रूबी घटनास्थल पर मिली कुल्हाड़ी को सूंघकर पहले गांव के रास्ते मृतक की बुआ के घर के पास बैठी। फिर गांव के तालाब के पचरी पहुंची। उसके बाद उसी मार्ग से एनएच मार्ग से बोतल्दा रॉक गार्डन जाने वाले मार्ग तक पहुंची।

घरघोड़ा के ग्राम चांटीगुड़ा निवासी बुधराम उरांव (40) अपना गांव छोड़कर पत्नी सहोद्रा उरांव (35), बेटा अरविंद (12), बेटी शिवांशी (6) के साथ खरसिया के ग्राम ठुसेकेला में रहकर मजदूरी करता था। उसकी बड़ी बेटी बुआ के यहां कोतरलिया में रहकर पढ़ाई करती है। उसके पैतृक गांव में उसके नाम जमीन है। उसका कुछ हिस्सा किसी प्लांट में निकला है। पुलिस को आशंका है कि इसी संपत्ति को लेकर विवाद में बुधराम उरांव के परिवार की सामूहिक हत्या कर दी गई होगी।

पुलिस मान रही है कि हत्या कुल्हाड़ी और लोहे के रॉड से की गई है। प्रतिरोध का भी कोई निशान नहीं होने पर यह भी आशंका है कि चारों को नींद में ही मार डाला गया है। हत्या में कोई करीबी या पारिवारिक सदस्य का हाथ हो सकता है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। एसडीओपी प्रभात पटेल के अनुसार, जमीन व संपत्ति विवाद अहम कारण माना जा रहा है। अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि सामूहिक हत्या से जुड़े हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। मंगलवार को कोई परिचित उनके यहां आया था। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो पाई। इसकी जांच की जा रही है। मंगलवार की रात ही अनहोनी की आशंका है। पड़ोसियों के अनुसार दो दिनों से घर का दरवाजा बंद है। दरअसल गांव के अधिकांश लोग श्रमिक वर्ग के हैं। इसलिए शाम को उनकी एक-दूसरे से मुलाकात होती है।

## 6 मंदिर में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तारन्दुर्ग में लोहे के रॉड से तोड़ते थे दानपेटी, सातवें-मंदिर में चोरी की प्लानिंग करते पकड़ाए

दुर्ग-भिलाइ15 सितंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में पुलिस ने मंदिरों में चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने छह मंदिरों में चोरी करना स्वीकार किया है। वे लोहे की रॉड से दानपेटी तोड़कर पैसे निकाल लेते थे। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है।दरअसल, पद्मनाभपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि जेल तिराहा देवांगन होटल के पास दो युवक चोरी की योजना बना रहे हैं। जिस पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर कादंबरी नगर के आदर्श द्विवेदी (19) और पवन साहू (18) को पकड़ा।पूछताछ में आरोपियों ने कसारीडीह स्थित राधा कृष्ण हनुमान मंदिर से 3500 रुपए, बोरसी हाट बाजार के शनिदेव मंदिर से 3000 रुपए, कोहका चौक स्थित राम जानकी मंदिर से 10 हजार रुपए, तीन दर्शन मंदिर से 6 हजार रुपए, हनुमान मंदिर से चिल्लर पैसे और नेहरू नगर के शिव मंदिर से चिल्लर चोरी करना कबूला।पुलिस ने आरोपियों से चोरी में इस्तेमाल की गई बाइक और लोहे का रॉड जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 313/25 और 314/25 धारा 331(4), 305(1), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भे दिया गया है। आदर्श द्विवेदी पहले भी मंदिर चोरी के मामले में जेल जा चुका है।

## अज्ञात वाहनों से कुचल कर पांच गौवंशों की दर्दनाक मौत

### कलेक्टर के निर्देश के बाद भी गौवंश की सुरक्षा पर किसी का नहीं है ध्यान

जगदलपुर, 15 सितंबर (एजेंसी)। रायपुर- जगदलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फिर अज्ञात वाहन ने तीन गौवंशों कोकुचल डाला। इसी हाईवे पर ही और दो गौवंश की मौत हुई है। एक रात में पांच गौवंश की मौत की घटना दिल दहलाने वाली है।

इंद्रावती पुल के आगे ट्रैक्टर शो रूम के सामने तीनों गौवंशों को अज्ञात वाहन ने रौंद डाला। तीनों मवेशियों की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। इसी मार्ग पर आसना में कल रात दो गौवंशों को अज्ञात वाहन ने कुचल कर मार डाला था। एक ही रात में पांच गौवंशों की दर्दनाक मृत्यु हो गई और जिम्मेदार मौन हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरेआम रौंदी जा रही है गौमाता। इस घटना से व्यथित बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दोनों घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफकड़ी कार्रवाई करने की मांग की है और वाहन चालकों को नसीहत दी है कि वे गौवंश को सुरक्षित बचाते हुए वाहन चलाएं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले ही कलेक्टर ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में सड़कों पर बैठे मवेशियों की सुरक्षा के लिए कड़े दिशा निर्देश दिए थे। इसके अलावा जगदलपुर के महापौर संजय पाण्डेय ने भी बेसहारा घूमने वाले और सड़कों पर बैठे रहने व विचरण करने वाले मवेशियों की सुरक्षा के लिए कांजी हाउस को दुरुस्त करवाया है। वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता भी बेसहारा गौवंशों को गौशालाओं में सुरक्षित रखने के लिए लगातार काम करते आ रहे हैं।एक ही रात में पांच गौवंशों की दर्दनाक मृत्यु हो गई और जिम्मेदार मौन हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरेआम रौंदी जा रही है

# किरायेदार छात्र के घर में चोरी मामले में नाबालिक बाल संप्रेषण गृह भेजा गया

जशपुर, 15 सितंबर (एजेंसी)। नाम आरोपी:-17 वर्षीय विधि से संघर्षरत बालक। पुलिस ने नाबालिक बालक के कब्जे से चोरी की कपड़े, आधार कार्ड व 300रु को भी किया जप्त जशपुर, 09 सितंबर (आरएनएस)। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 07.09.2025 को प्रांजल ठाकुर उम्र 21 वर्ष, निवासी ब्रह्म रोड अंबिकापुर, वर्तमान निवास डुगडुगीया कुनकुरी , में किराए के मकान में रहकर बीएससी, हार्टिकल्चर की पढ़ाई करता है, के द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि वह घटना दिनांक 07.09.25 को प्रातः 04.00 बजे, प्रतिदिन की भांति मॉर्निंग वॉक/दौड़ने , अपने किराए के घर को ताला बंद कर , पंडरी पानी, पहाड़ मुड़ा रोड में निकाला था, जो कि दौड़कर वापस आने पर देखा कि उसके किराए के मकान का ताला टूटा हुआ था व व कमरे का दरवाजा भी खुला हुआ था, साथ ही कमरे के अंदर उसके बैग से शर्ट, पैंट, तथा पैंट में रखा पर्स, जिसमे की प्रार्थी का एक हजार रु व आधार कार्ड था, उसे भी किसी के द्वारा चुरा लिया गया था। रिपोर्ट पर थाना कुनकुरी में चोर के विरुद्ध बी एन एस की धारा 331(3),305(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस के द्वारा उक्त कृत्य को अंजाम देने वाले व्यक्ति की पता साजी हेतु, मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया था, साथ ही चोरी के कपड़े के संबंध में भी मुखबिरों को अवगत कराया गया था, और पुलिस लगातार संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबीर से पता चला कि डुगडुगिया निवासी एक 17 वर्षीय नाबालिक बालक, पुलिस द्वारा बताए अनुसार चोरी के कपड़े, जैसा शर्ट पहनकर घूम रहा है, जिस पर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल संदिग्ध नाबालिक को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ पर आरोपी नाबालिक बालक के द्वारा अपना कृत्य स्वीकार करते हुए बताया गया कि उक्त घटना दिनांक को सुबह जब वह टहल रहा था, तो देखा कि एक किराए के घर से एक व्यक्ति, अपने घर को ताला बंद कर, दौड़ने के लिए निकल रहा था, इसी दौरान सुनसान स्थिति देखकर, उसके द्वारा घेरा कूदकर, उक्त किराए के कमरे का ताला तोड़कर, घर में चोरी की गई थी, पुलिस के द्वारा 17 वर्षीय नाबालिक विधि से संघर्षरत बालक की निशानदेही पर उसके कब्जे से चोरी के कपड़े, आधार कार्ड सहित ,300 रु को बरामद कर लिया गया , चोरी के शेष रकम 700 रु को, विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा खर्च करना बताया गया है। पूछताछ पर विधि से संघर्षरत बालक के द्वारा अपना कृत्य स्वीकार करने व प्रयाप्त सबूत पाए जाने पर, उसे विधिवत बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है। मामले की कार्यवाही व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी कुनकुरी निरीक्षक राकेश कुमार यादव , सहायक उप निरीक्षक मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक दलेश्वर यादव, आरक्षक नन्द लाल यादव, जितेंद्र गुप्ता व नितिन पांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि प्रायः देखने में आ रहा है, नाबालिको के द्वारा, गलत शोहबत में पढ़कर,अपनी इच्छाओं की पूर्ति हेतु, चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, कुनकुरी क्षेत्र में चोरी के मामले में एक नाबालिक बालक को हिरासत में लेकर, बाल संप्रेषण गृह भेजा गया है।

## बालोद में ट्रेन की चपेट में आई महिला:हाथ-पैर कटकर हुए अलग, दर्द से तड़पती रही, गंभीर हालत में राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर

रायपुर ,15 सितंबर( एजेंसी )। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के दल्लीराजहरा में ट्रेन से कटकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि वार्ड क्रमांक 15 की सरिता दास मानिकपुरी (40) झरन मंदिर मोड़ स्थित पुलिया पार कर रही थीं। इसी दौरान दुर्ग से अंतागढ़ जा रही ट्रेन की चपेट में आने से उनके दोनों पैर और एक हाथ कट गया।हादसे के बाद वे गंभीर हालत में तड़पती रहीं और आसपास मौजूद लोगों से पानी मांगती रहीं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से महिला को तुरंत चिखलाकसा शासकीय अस्पताल लाया गया। जहां से हालत नाजुक होने पर राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।महिला के दो बेटे हैं, जिन्हें घटना की सूचना दे दी गई है। दल्लीराजहरा टीआई नवीन बोरकर ने बताया कि महिला की हालत नाजुक है। बेहतर इलाज के लिए परिजन राजनांदगांव ले गए हैं। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

## करंट की चपेट में आने से नर भालू की मौत, वन विभाग ने शुरू की जांच

महासमुंद, 15 सितम्बर (एजेंसी)। जिले के बागबाहरा वन परिक्षेत्र में एक नर भालू की करंट लगने से मौत हो गई है। यह घटना कक्ष क्रमांक 179 में हुई, जहां शिकार के इरादे से बिछाए गए करंटयुक्त तारों की चपेट में आने से करीब 12 वर्षीय भालू की जान चली गई।घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत भालू के शव को अवराडबरी वन डिपो ले जाया गया। जांच के दौरान टीम को भालू का टूटा हुआ जबड़ा और दांत भी मौके से बरामद हुए हैं, जिससे शिकार की आशंका और मजबूत हो गई है।

# जशपुर जिले में 56 करोड़ 57 लाख की लागत से 484 नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण की मिली स्वीकृति

जशपुरनगर, 15 सितम्बर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्राथमिकता हमेशा से प्रदेश के बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को लेकर रही है। इसी दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए जशपुर जिले में 56 करोड़ से भी अधिक की लागत से 484 नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रत्येक आंगनबाड़ी भवन पर 11 लाख 69 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इस प्रकार करोड़ों रुपए की राशि सीधे तौर पर जिले में आंगनबाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार पर लगाई जाएगी। इससे न केवल बच्चों और माताओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी बल्कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी एक स्थायी और सुसज्जित कार्यस्थल प्राप्त होगा।

अब तक अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्र भवन जर्जर हालत में या किराए के मकानों में संचालित होते थे।ऐसे स्थानों में न तो बच्चों को बैठने की समुचित सुविधा मिलती थी और न ही साफ-सफाई का पर्याप्त वातावरण। लेकिन नए भवन बनने के बाद बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और अनुकूल माहौल उपलब्ध होगा, जिससे उनकी शिक्षा और पोषण संबंधी गतिविधियाँ व्यवस्थित ढंग से संचालित होंगी।नए आंगनबाड़ी भवन सिर्फ पढ़ाई या आहार वितरण का स्थान नहीं होंगे, बल्कि ये ग्रामीण समाज में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता का केंद्र बनेंगे। इन भवनों में बच्चों को पौष्टिक आहार ,खेल-खेल में सीखने की व्यवस्था,नियमित स्वास्थ्य जांच,माताओं के लिए पोषण व स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी। इससे जिले में कुपोषण को कम करने और शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने में बड़ी भूमिका निभाई जाएगी।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा का संकल्प है कि जशपुर का कोई भी बच्चा अब कुपोषण और शिक्षा की कमी से वंचित नहीं रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि हर बच्चे और हर माता को स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। नए आंगनबाड़ी भवन आने वाली पीढ़ी के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगे और प्रदेश में पोषण क्रांति की नींव मजबूत करेंगे।

ग्रामीणों की खुशी और सीएम साय के प्रति आभार

ग्रामीण अंचलों के लोगों ने इस नए आंगनबाड़ी भवन की स्वीकृति का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि यह पहल आने वाली पीढ़ी के भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली साबित होगी। अब बच्चे अस्थायी कमरों में नहीं, बल्कि सुसज्जित भवनों में शिक्षा और पोषण प्राप्त करेंगे।

# होर्डिंग लगाने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत-बलरामपुर में 3 युवक झुलसे, हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आया लोहे का एंगल

बलरामपुर,15 सितंबर (एजेंसी)। बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर में होर्डिंग लगाने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत हो गई। जबकि तीन युवक झुलस गए। मंगलवार को होर्डिंग लगाने के दौरान लोहे का एंगल हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। हादसे में झुलसे युवकों का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि नगर पंचायत से होर्डिंग लगाने की अनुमति नहीं ली गई थी।जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को वाड्रफनगर पुलिस चौकी के पास अंबिकापुर-बनारस मेन रोड के किनारे चार युवक विज्ञापन का होर्डिंग लगा रहे थे। मजदूरों ने लगभग 20 फीट के लोहे के एंगल में फ्लेक्सी को फिट किया और जैसे ही उन्होंने गड्ढा खोदकर होर्डिंग को सीधा खड़ा किया। होर्डिंग के ऊपरी हिस्से में लगा एंगल 11 हजारच्ङ्क के तार से छू गया।हादसे में होर्डिंग लगा रहे



चारों युवक करंट की चपेट में आ गए। तत्काल सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर पहुंचाया गया, जहां राजपुर ब्लॉक के कर्रा निवासी दीपक राम (21) को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं कर्रा निवासी सूरज प्रसाद, अनमोल और अमन घायल हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।घायल युवकों ने बताया कि वे रामानुजगंज के मुकेश फ्लेक्सी के लिए ठेके पर काम करते हैं और उन्हें एक होर्डिंग लगाने के 1200 रुपए दिए जाते हैं। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।होर्डिंग लगाने के दौरान युवकों ने सुरक्षा के लिए कोई उपाय नहीं किया था। नगर पंचायत वाड्रफनगर के सीएमओ जितेन बहादुर पटेल ने बताया कि होर्डिंग फ्लैक्स लगाने की अनुमति नगर पंचायत से नहीं ली गई है। इसके साथ ही नगर में अन्य होर्डिंग के लिए भी अनुमति नहीं दी गई है। इस मामले की जांच कर कडवहीं कर्रा निवासी सूरज प्रसाद, अनमोल और अमन घायल हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।घायल युवकों ने बताया कि वे रामानुजगंज के मुकेश फ्लेक्सी के लिए ठेके पर काम करते हैं और उन्हें एक होर्डिंग लगाने के 1200 रुपए दिए जाते हैं। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।होर्डिंग लगाने के दौरान युवकों ने सुरक्षा के लिए कोई उपाय नहीं किया था। नगर पंचायत वाड्रफनगर के सीएमओ जितेन बहादुर पटेल ने बताया कि होर्डिंग फ्लैक्स लगाने की अनुमति नगर पंचायत से नहीं ली गई है। इसके साथ ही नगर में अन्य होर्डिंग के लिए भी अनुमति नहीं दी गई है। इस मामले की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।। कार्रवाई की जाएगी।

## शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

**बाएं से दाएं**

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

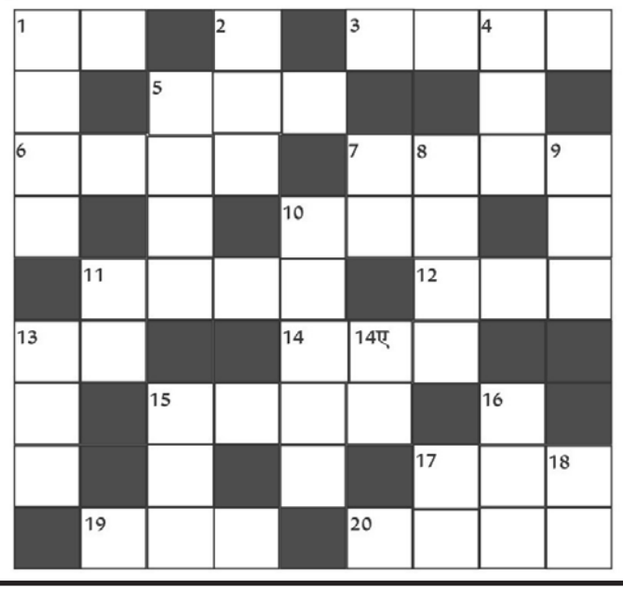



### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | ■ | ■ | इं | ■ | ■ | ■ |
| स | ह | ■ | ब | र | सा | त | ■ | प |
| ■ | क | हा | नी | ■ | न | क | च | ढ़ा |
| त | ■ | ■ | स्ब | ■ | ■ | ली | ■ | ई |
| क | या | म | त | ■ | क | फ | न | ■ |
| दी | ■ | र्दा | ■ | बा | बू | ■ | ह | वा |
| र | ह | ना | ■ | ल | त | खो | र | ■ |
| ■ | वा | ■ | नौ | क | र | ■ | ■ | सा |
| भा | ई | ■ | का | ■ | ■ | बा | द | ल |

# लिटन-तौहीद के बीच तीसरे विकेट के लिए एशिया कप की चौथी बड़ी साझेदारी, रोहित-विराट के क्लब में शामिल

अबु धाबी,15 सितंबर (एजेंसी)। इस मैच में बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास और तौहीद हृदोय ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों के बीच 95 रनों की साझेदारी हुई, जो टी20 एशिया कप की तीसरे विकेट या उससे नीचे के विकेट के लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के बीच श्रीलंका के खिलाफ 2022 में 97 रनों की पार्टनरशिप हुई थी।

कप्तान लिटन दास की कप्तानी पारी के दम पर बांग्लादेश ने गुरुवार को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की।इस मैच में लिटन दास ने तीसरे विकेट के लिए तौहीद हृदोय के साथ 95 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी से टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।अबु धाबी के जायद क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए एशिया कप 2025 के तीसरे मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हॉन्गकॉन्ग की टीम ने 20 ओवर में सात विकेट पर 143 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम ने 17.4 ओवर में तीन विकेट पर 144 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लिटन-तौहीद के बीच रिकॉर्ड साझेदारी

इस मैच में बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास और तौहीद हृदोय ने शानदार प्रदर्शन किया।दोनों के बीच 95 रनों की साझेदारी हुई, जो टी20 एशिया कप की तीसरे विकेट या उससे नीचे के विकेट के लिए चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले रोहित

शर्मा और सूर्यकुमार यादव के बीच श्रीलंका के खिलाफ 2022 में 97 रनों की पार्टनरशिप हुई थी। इस मामले में शीर्ष पर पाकिस्तान के शोएब मलिक और उमर अकमल हैं, जिनके बीच 2016 में यूएई के खिलाफ 114* रनों की सबसे बड़ी साझेदारी हुई थी। दूसरे स्थान पर किंग कोहली और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी है, जिन्होंने 2022 में हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 98 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई थी।

इस मुकाबले में लिटन दास 39 गेंदों में 59 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने छह चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, तौहीद 36 गेंदों में 35 रन बनाकर नाबाद रहे। लिटन का यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में चौथा अर्धशतक है। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह बांग्लादेश के लिए टी20 एशिया कप में 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड सब्बीर रहमान के नाम था, जिन्होंने 2016 में श्रीलंका के खिलाफ 80 रनों की शानदार पारी खेली थी।बांग्लादेश के कप्तान ने पहली जीत पर जताई खुशी

एशिया कप में जीत के साथ शुरुआत करने पर बांग्लादेश के कप्तान ने खुशी जताई। लिटन दास ने कहा, %पहला मैच जीतना जरूरी था। हमने पिछली दो सीरीज में अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन एशिया कप में दबाव अलग हो सकता है। हमने आज बहुत अच्छा खेला। पिछले कुछ वर्षों में हमारे तेज गेंदबाजी विभाग ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, और हम बस एक लेग स्पिनर की तलाश में थे और रिशाद ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हमें बीच के ओवरों में सावधानी से खेलना था और बड़े मैदान का पूरा फायदा सिंगल और डबल रन के साथ उठाना था।

## एशिया कप के बीच हैम्पशायर से काउंटी क्रिकेट खेलेंगे सुंदर, रिजर्व खिलाड़ियों में थे शामिल

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)।पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल युवा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर इंग्लैंड की काउंटी टीम हैम्पशायर से जुड़ गए। क्लब ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सुंदर चैंपियनशिप सीजन के अंतिम दो मुकाबलों में (समरसेट और सरे के खिलाफ) खेलते नजर आएंगे।

एशिया कप 2025 का आगाज हो चुका है। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को नौ विकेट से हराकर की। अब उसका सामना रविवार को पाकिस्तान से होगा। इससे पहले रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल युवा ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर इंग्लैंड की काउंटी टीम हैम्पशायर से जुड़ गए। क्लब ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सुंदर चैंपियनशिप सीजन के अंतिम दो मुकाबलों में (समरसेट और सरे के खिलाफ) खेलते नजर आएंगे। हैम्पशायर ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, %एक ऐसा खिलाड़ी जिस पर हमें पूरा भरोसा है। स्वागत है वॉशी! भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हमारे अंतिम दो काउंटी चैंपियनशिप मैचों में शामिल होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ बिखेरी थी चमककलब के क्रिकेट निदेशक गाइल्स वाइट ने कहा, %हमें वॉशिंगटन को टीम में शामिल करते हुए खुशी है। उन्होंने इस गर्मियों में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन टेस्ट सीरीज़ खेली और आने वाले दोनों बड़े मैचों में अहम भूमिका निभाएंगे।% सुंदर ने हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच हुई रोमांचक पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 284 रन बनाए, जिसमें मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में उनकी पहली टेस्ट शतकीय पारी शामिल रही, जिसने भारत को मैच बचाने में मदद की। गेंदबाज़ी में उन्होंने सात विकेट भी झटके।काउंटी क्रिकेट में सुंदर का दूसरा कार्यकालयह सुंदर का काउंटी क्रिकेट में दूसरा कार्यकाल होगा। इससे पहले वे 2022 में लंकाशायर की ओर से चैंपियनशिप और वन-डे कप खेल चुके हैं। इस सीजन में हैम्पशायर पहले ही एक अन्य भारतीय खिलाड़ी तिलक वर्मा को चार मैचों के लिए शामिल कर चुका है। 25 वर्षीय सुंदर ने अब तक 40 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, जिनमें 13 टेस्ट शामिल हैं। उनके बल्ले से 1800 से अधिक रन निकले हैं, जबकि गेंदबाज़ी में उन्होंने 91 विकेट लिए हैं। पिछले साल पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (7/59) किया था।दो मैच खेलेंगे सुंदर सुंदर के लिए चुनौती आसान नहीं होगी, क्योंकि हैम्पशायर फिलहाल अंक तालिका में संघर्ष कर रहा है। गुरुवार को पिच नियमों का उल्लंघन करने पर टीम से आठ अंक काटे गए, जिससे टीम तालिका में आठवें स्थान पर खिसक गई। हैम्पशायर अब 15 से 18 सितंबर तक समरसेट के खिलाफ मैदान में उतरेगा, जिसके बाद 24 से 27 सितंबर तक वे मौजूदा चैंपियन सरे से भिड़ेंगे।

## खिलाड़ी तब और महान बन जाता है जब उसके आसपास मजबूत साथी हों कपिल-गावस्कर जीनियस

दुबई ,15 सितंबर (एजेंसी)। मोहसिन ने कहा, टीमें संख्या के आधार पर बनती हैं। आपको ऐसे खिलाड़ियों के समूह की जरूरत होती है जो कमोबेश एक जैसे हों। फिलहाल बाबर और बाकियों के बीच काफा अंतर है।पाकिस्तान के लिए 48 टेस्ट और 75 वनडे मैच खेलने वाले मोहसिन खान ने पुरानी यादों को ताजा किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह जब पीछे मुड़कर अपने करियर देखते हैं तो उन्हें क्रिकेट के मैदान और मुंबई के फिल्म स्टूडियो की याद आती है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहसिन ने जहां क्रिकेट के मैदान में अपनी पीढ़ी के सबसे जबरदस्त तेज गेंदबाजों का सामना किया तो वहीं उन्होंने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों के साथ एक दर्जन फिल्मों में भी काम किया।उन्होंने बताया, भारत के खिलाफ स्वदेश और विदेश दोनों जगह खेलना मजेदार हुआ करता था। जिमी (मोहिंदर अमरनाथ) मेरे करीबी दोस्त बन गए। हमारे जमाने में आक्रामकता तो थी, लेकिन बदतमीजी नहीं थी। मोहसिन ने 1979 में जब पहली बार भारत का दौरा किया तो सिर्फ क्रिकेट के ही दरवाजे नहीं खुले। फिल्म निर्माताओं ने तुरंत उनसे संपर्क किया और सीरीज के बाद छोटे कार्यक्रमों के लिए रुकने का आग्रह किया।मोहसिन ने कहा, 1979 में जब मैं पहली बार भारत आया तो मुझे बॉलीवुड से प्रस्ताव मिलने लगे। लोग कहते थे कि बस 20 दिन रुक जाओ, हम तुम्हारा हिस्सा पूरा कर देंगे। लेकिन तब मेरा ध्यान क्रिकेट पर था। क्रिकेट को प्राथमिकता देने का फैसला जल्द ही सही साबित हुआ।

## सचिन तेंदुलकर के बीसीसीआई अध्यक्ष बनने की अटकलें तेज, दिग्गज ने जारी किया बयान

नई दिल्ली सचिन की कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के नाम पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ खबरें और अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व भारतीय कप्तान सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। उनकी प्रबंधन फर्म ने ऐसी सभी बातों को निराधार बताया। तेंदुलकर की प्रबंधन फर्म ने उनकी ओर से बयान जारी कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया है कि वह रोजर बिन्नी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था।सचिन की फर्म ने किया अफवाहों का खंडनकंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया,

%हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के नाम पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ खबरें और अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान नहीं दें।28 सितंबर को होगी बीसीसीआई की आम वार्षिक बैठकदुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड को 28 सितंबर को अपनी वार्षिक आम बैठक में चुनाव कराने हैं। बिन्नी को अक्तूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है। बीसीसीआई लोकपाल और आचरण अधिकारी की नियुक्ति भी वार्षिक आम बैठक के दौरान की जाएगी जबकि आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि की भी नियुक्ति की जाएगी।

# व्यापार

## अतिरिक्त एजीआर मांग खारिज कराने अदालत पहुंची वोडाफोन आइडिया, याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। कंपनी ने एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग को 3 फरवरी, 2020 को जारी कटौती सत्यापन दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन और समाधान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। कंपनी ने 8 सितंबर को दायर अपनी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की है।दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त एजीआर बकाया मांगों को रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।कंपनी ने एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग को 3 फरवरी, 2020 को जारी कटौती सत्यापन दिशा-निर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के लिए सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन और समाधान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। कंपनी ने 8 सितंबर को दायर अपनी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की है। वहीं, दूरसंचार विभाग ने वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 2,774 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग उठाई है, जिसकी गणना को कंपनी ने चुनौती दी है।शीर्ष अदालत ने इस साल की शुरुआत में भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया को झटका देते हुए अपने 2021 के आदेश की समीक्षा करने से इन्कार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों की ओर से देय समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाये की गणना में त्रुटियों को सुधारने की याचिकाओं को खारिज कर दिया था। शीर्ष कोर्ट ने सितंबर, 2020 में समायोजित सकल राजस्वसे संबंधित 93,520 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए सरकार को उनकी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए 10 साल की समय सीमा तय की थी।

## कृषि समेत सभी मुद्दों पर खुलकर बातचीत होने की उम्मीद : पीयूष

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि यूरोपीय संघ के साथ व्यापार वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार और कृषि आयुक्तों के भारत दौरा करने पर दोनों पक्ष व्यापार समझौते को काफी हद तक अंतिम रूप देने की स्थिति में होंगे। भारत आने वाले यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविच और कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ़ हेंसन के साथ वार्ता कर मुद्दों पर खुलकर बात हो सकेगी।?दोनों पक्षों के प्रमुख वार्ताकार इस समय प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 13वें दौर की बातचीत कर रहे हैं।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, दोनों पक्ष विभिन्न हिस्सों पर सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे हैं। समझौते के लगभग 60-65 प्रतिशत अध्याय अब पूरी तरह से तैयार और अंतिम रूप दिया जा चुका हैं। उन्होंने कहा, जब मेरे सहयोगी मारोस सेफकोविक और क्रिस्टोफ हेंसन भारत आएंगे, तब हम काफी हद तक समझौते को

# टैरिफ से कपड़ा निर्यातकों के अस्तित्व पर संकट, तिरुपुर सर्वाधिक प्रभावित, 40 अरब के ऑर्डर रद्द

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। एमके रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले के लगाए गए टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग के मार्जिन में गिरावट आई है। वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे उद्योग के मार्जिन में अतिरिक्त टैरिफ के कारण और गिरावट आएगी।अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ ने भारतीय कपड़ा उद्योग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। निर्यातक टैरिफ के असर को झेलने योग्य नहीं हैं। ऐसे में कपड़ा उद्योग को तुरंत प्रोत्साहन की जरूरत है। एमके रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, पहले के लगाए गए टैरिफ के कारण कपड़ा उद्योग के मार्जिन में गिरावट आई है। वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे उद्योग के मार्जिन में अतिरिक्त टैरिफ के कारण और गिरावट आएगी।रिपोर्ट के अनुसार, उच्च टैरिफ से कपड़ा उद्योग को अमेरिका से नए ऑर्डर नहीं मिल रहे हैं। पुराने ऑर्डर भी रद्द हो रहे हैं, जिससे इन्वेंट्री बढ़ रही है। ऐसे में उद्योग और खासकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए सरकारी मदद जरूरी है, क्योंकि बड़े निर्यातकों की तरह इनका खाताबही मजबूत नहीं है। उद्योग को टैरिफ के झटके सहन करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रासंगिक बने रहने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत है। अगर तत्काल जरूरी कदम नहीं उठाए गए, तो न सिर्फ छोटी कंपनियों

के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो जाएगा, बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार भी खत्म होंगे।देश के निटवियर निर्यात में 55-60 फीसदी हिस्सा रखने वाले तिरुपुर क्लस्टर टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित है। यहां से करीब 700 अरब रुपये के कपड़े का निर्यात होता है। टैरिफ के कारण तिरुपुर को अमेरिका से मिलने वाले करीब 40 अरब रुपये के ऑर्डर रद्द हो गए हैं।भारत का वैश्विक कपड़ा बाजार में करीब चार फीसदी हिस्सा है, जो बांग्लादेश (13 फीसदी) व वियतनाम (9 फीसदी) से काफी कम है।मुक्त व्यापार समझौतों में कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों के कारण इसका पूरा लाभ नहीं मिल रहा है।तालों व हार्डवेयर के मामले में अलीगढ़ की खास पहचान, एमएसएमई फॉर भारत के आयोजन से मिलेगी मददटैरिफ के असर से निपटने के लिए भारतीय फार्मा कंपनियों को दवाइयों के दाम बढ़ाने होंगे। इसके साथ ही साइट और बौद्धिक संपदा (आईपी) हस्तांतरण की भी जरूरत है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च के अनुसार, टैरिफ अनिश्चितता अब भी बनी हुई है। कंपनियां अमेरिका में क्षमता बढ़ाने को तैयार नहीं हैं। दवाइयों की कीमतों में वृद्धि, साइट और आईपी स्थानांतरण, ये तीन उपाय हैं जिनकी उद्योग को टैरिफ से निपटने के लिए जरूरत है। साथ ही, कुछ श्रेणियों खासकर एंटीबायोटिक्स में कच्चे माल की कीमतों में तेजी से सुधार हो रहा है। ग्राहक कम कीमतों का लाभ उठाने के लिए स्टॉक कम कर रहे हैं। कुल मिलाकर, जेनेरिक एपीआई की कीमतें स्थिर हो गई हैं। कंपनियां विकास के नए अवसरों और उत्पाद लॉन्च को लेकर आशान्वित, लेकिन सतर्क भी हैं।

## भारत-ईयू ट्रेड डील निर्णायक मोड़ पर, आज से अहम बैठक, पांच दिन भारत में रहेंगे 27 राजदूत

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। यह यात्रा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और ईयू के बीच 13वें दौर की बातचीत हो रही है, जिसे दोनों पक्ष दिसंबर तक अंतिम रूप देना चाहते हैं। इस दल की यात्रा का उद्देश्य आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना है।यूरोपीय संघ (ईयू) की राजनीतिक एवं सुरक्षा समिति का 27 राजदूतों का दल बुधवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आएगा। यह दल दोनों पक्षों के बीच संबंधों को नई गति देने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के तरीकों पर चर्चा करेगा। राजदूत डेल्फिन प्रोंक के नेतृत्व में यह दल भारत सरकार के उच्च स्तरीय अधिकारियों और रक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिलेगा। यह यात्रा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और ईयू के बीच 13वें दौर की बातचीत हो रही है, जिसे दोनों पक्ष दिसंबर तक अंतिम रूप देना चाहते हैं। इस दल की यात्रा का उद्देश्य आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना है।सरकार के करीबी सूत्र के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच अब तक 23 में से 11 अध्याय पूरे हो चुके हैं, जिनमें सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार और बौद्धिक संपदा जैसे विषय शामिल हैं।

हालांकि, कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर मतभेद बने हुए हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसानों की आजीविका की सुरक्षा के लिए इन क्षेत्रों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, यूरोपीय संघ की ओर से रूसी तेल खरीद और प्रस्तावित कार्बन टैक्स पर भी दबाव डाला जा रहा है, जिसे भारत ने एक छिपी हुई व्यापार बाधा बताया है। सरकार का मानना है कि यूरोपीय संघ के साथ यह समझौता न सिर्फ आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि भू-राजनीतिक मोर्चे पर भी भारत को पश्चिमी देशों के करीब लाएगा। इस सप्ताह यूरोपीय संघ के व्यापार और कृषि आयुक्तों का भारत दौरा, समझौते को अंतिम रूप देने की दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार का रुख स्पष्ट है कि कोई भी समझौता परस्पर लाभप्रद और न्यायसंगत होना चाहिए, जिसमें भारत के रणनीतिक और आर्थिक हितों की पूरी तरह रक्षा हो।

## बिना बिके स्टॉक की कीमतों में एफएमसीजी कंपनियों को मिला संशोधन का अधिकार, 31 दिसंबर तक रहेगी मंजूरी

नई दिल्ली ,15 सितंबर (एजेंसी)। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने कहा, संशोधित एमआरपी स्टिकर लगाकर या ऑनलाइन प्रिंट करके घोषित की जा सकती है। बशर्ते मूल एमआरपी प्रदर्शित रहे और संशोधित मूल्य उस पर अंकित न हो। मूल और संशोधित मूल्य के बीच का अंतर कर वृद्धि या कमी की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने रोजमर्रा के बचे सामानों के मूल्य को संशोधित करने की मंजूरी दे दी है। जीएसटी दरों में बदलाव के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे कंपनियों और ग्राहकों दोनों को फायदा होगा। पहले से पैक वस्तुओं के निर्माताओं, पैकर्स व आयातकों को जीएसटी दरों में संशोधन से पहले निर्मित या आयातित बिना बिके स्टॉक पर संशोधित खुदरा बिक्री मूल्य (एमआरपी) घोषित

करना होगा।विभाग ने कहा, संशोधित एमआरपी स्टिकर लगाकर या ऑनलाइन प्रिंट करके घोषित की जा सकती है। बशर्ते मूल एमआरपी प्रदर्शित रहे और संशोधित मूल्य उस पर अंकित न हो। मूल और संशोधित मूल्य के बीच का अंतर कर वृद्धि या कमी की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए। निर्माताओं, पैकर्स और आयातकों को समाचार पत्रों में कम से कम दो विज्ञापन देने होंगे। डीलरों व केंद्र में विधिक माप विज्ञान निदेशक व राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में संबंधित विभाग को मूल्य में परिवर्तन की सूचना देनी होगी।31 दिसंबर तक रहेगी मंजूरीयह मंजूरी 31 दिसंबर तक या स्टॉक समाप्त होने तक, जो भी पहले हो, मान्य है। जिन पैकेजिंग सामग्रियों या रैपरों का उपयोग जीएसटी संशोधन से पहले नहीं हुआ था, उनका उपयोग 31 दिसंबर तक या सामग्री समाप्त होने तक एमआरपी में सुधार करने के बाद किया जा सकता है। कंपनियों का कहना है कि गोदामों और खुदरा दुकानों में मौजूद उत्पादों के भाव मौजूदा जीएसटी के तहत तय होते हैं। इसे अब हटाया जाना है।

# मरवाही से पहुंचे दंतैल ने मचाया भारी उत्पात

## फसल को मटियामेट कर पहुंचा सेमरहा

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। जिले में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में मरवाही से पहुंचे दंतैल हाथी ने उत्पात मचाया है। बीती रात रेंज के तनेरा सर्किल के सरमा गांव में ग्रामीणों के धान की फसल को मटियामेट कर हाथी सेमरहा पहुंच गया है।

दंतैल हाथी को सुबह यहां के जंगल में विचरण करते हुए देखा गया, जिससे ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है। इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई, जिस पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचकर दंतैल की निगरानी में जुट गया है। वहीं सेमरहा व आसपास के गांव में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने का अभियान भी शुरू कर दिया गया है। इस दंतैल हाथी ने एक दिन पूर्व पसान की बस्ती में घुसने का प्रयास किया था। जिससे ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई थी। वन विभाग को जानकारी मिलने पर रेंजर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम रात में मौके पर पहुंची और दंतैल को खदेड़ने के साथ जंगल वापस भेजा। दंतैल हाथी कल दिन भर जंगल में विश्राम करने के बाद रात में फिर निकला और तनेरा सर्किल के जंगल के रास्ते सेमरहा पहुंच गया। दंतैल ने रास्ते में सरमा गांव में चार ग्रामीणों की फसल को तहस-नहस कर दिया।

### बनिया और कोरबी में भी बनी है मौजूदगी

11 हाथियों का दल भी रेंज के बनिया गांव में सक्रिय है।हाथियों के इस दल ने रात भर खेतों में उत्पात मचाया और वहां लगे धान फसल को रौंद दिया। उधर 27 हाथियों का दल केंदई रेंज के कोरबी सर्किल में अभी भी मौजूद है। हाथियों का यह दल खुर्रूपारा पहुंच गया और उत्पात मचाते हुए बड़ी मात्रा में फसल को तहस-नहस कर दिया। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक दल से अलग होकर दो हाथी कोरबी पुलिस चौकी के निकट भी खेतों में पहुंच गए थे जिसे खदेडऩे पर वापस लौटा और अपने दल में शामिल होकर जंगल का रूख कर लिया। केंदई रेंज के मोरगा सर्किल में भी 12 हाथी विचरण कर रहे हैं, जिनका उत्पात जारी है।

### कुदमुरा रेंज में आधा दर्जन हाथियों की हुई एंट्री

इस बीच कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में आधा दर्जन हाथियों की दस्तक हो गई है। पड़ोसी रायगढ़ जिले के हाटी रेंज से अचानक पहुंचे हाथियों के इस दल ने एक ग्रामीण के बाड़ी में घुसकर वहां लगे भुट्टा को चट कर दिया और कुदमुरा वन परिसर के कक्ष क्रमांक 1139-1140 के बीच जंगल में पहुंचकर विश्राम करने लगा है। हाथियों का दल अभी इसी स्थान में है। वन विभाग हाथियों को लेकर सतर्क हो गया है और कुदमुरा व आसपास के गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है।

# त्रिदेव की थीम पर आधारित पंडाल में विराजेंगी मां दुर्गा

## दुर्गा पूजा समिति द्वारा भव्य आयोजन की तैयारी शुरू

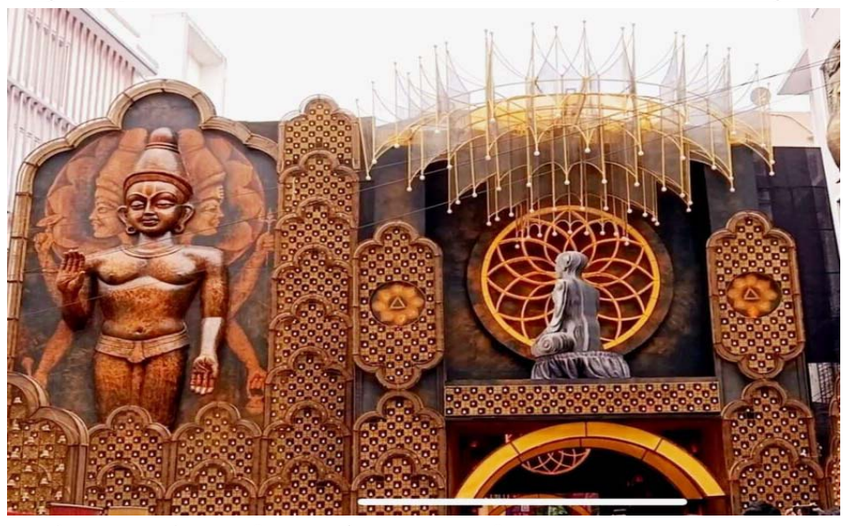

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा एवं दशहरा उत्सव समिति, पुराना बस स्टैंड के द्वारा भव्य दुर्गा पूजा उत्सव की तैयारी शुरू कर दी गई है। पुराना बस स्टैंड परिसर में माता की मूर्ति विराजित कर शक्ति उपासना के लिए पंडाल तैयार कराया जा रहा है। इस बार का पंडाल त्रिदेव की थीम पर आधारित होगा जिसकी भव्यता और विशालता देखते ही बनेगी। हर वर्ष अलग-अलग थीम पर आकर्षक और भव्यता प्रदान करते हुए निर्मित कराए जाने वाले पंडाल का आकर्षण देखते ही बनता है। इस बार भी यह पंडाल पूरे जिले में अपनी अलग छटा बिखेरेगा। कोलकाता के विशेष 25 कारीगरों ने पंडाल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। दुर्गा पूजा आयोजन समिति में अध्यक्ष सत्येंद्र वासन, सचिव प्रवीण पांडे, उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल, अंजू साहू, समीर मजुमदार, तिलक अरोरा, गजेंद्र जायसवाल, रीतेश अग्रवाल, नितेश साहू, राजा राव, पिंटू जायसवाल, संतोष पाल हैं। संरक्षक गोपाल अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, सुरेंद्र लांबा की देखरेख व मार्गदर्शन में तैयारियां की जा रही हैं। सचिव प्रवीण पांडे ने बताया कि यहां नवरात्रि की षष्ठी तिथि 28 सितम्बर से मां दुर्गा की पूजा आराधना प्रारंभ होगी।

# चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ ने नियमितीकरण सहित चार सूत्रीय मांगों को लेकर बिजली कंपनी प्रबंधन को आंदोलन की चेतावनी दी है।छत्तीसगढ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ के अनुसार कि वर्ष 2024 में संविदा कर्मियों ने नियमितीकरण की मांग को लेकर संविदा बिजली कर्मचारियों ने आंदोलन किया था। इसके अलावा अन्य मांगें भी लंबित है। एक साल बाद भी किसी मांग पर अमल नहीं किया गया है। छत्तीसगढ इसलिए विद्युत संविदा कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर चार चरणों में आंदोलन करने का निर्णय लिया है। 19 सितंबर को प्रदेश के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

# पुलिस ने ग्रामीणों को किया जागरूक

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। थाना प्रभारी पाली जितेन्द्र यादव व थाना स्टाफ के द्वारा ग्राम उडता और ग्राम चेपा में सजग कोरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं पुरूष पंचायत पदाधिकारी शामिल हुए। पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री नही करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, बिना हेलमेट पहन कर मोटर सायकल नहीं चलाने, मोडीफाईड सायलेंसर, सायबर फ्रॉड महिलाओं एवं बच्चों के अपराध के संबंध में विस्तार से बता कर जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने भी नशा नहीं करने का संकल्प लिया। अपने-अपने ग्रामों में शराब बंदी करने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में सउनि पुरूषोत्तम सिंह उइके, प्रधान आरक्षक हीरावन सिंह सरूते,

आरक्षक अनिल कुर्रे, आरक्षक जगजीवन कंवर तथा महिला आरक्षक इंदू राजपूत उपस्थित रहे।

# बारिश के बाद मेगा परियोजना से उत्पादन बढ़ाने पर जोर

## सीएमडी ने गेवरा खदान का किया निरीक्षण

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने एसईसीएल की मेगा प्रोजेक्ट गेवरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खदान के कोल फेस तक पहुंचकर विभागीय और आउटसोर्सिंग कंपनियों के खनन कार्यों का निरीक्षण किया।

अपने निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने खदान में उत्पादन व उत्पादकता कार्य की समीक्षा की। सीएमडी ने खासतौर पर बारिश के बाद अब कोयला उत्पादन बढ़ाने की रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को तय लक्ष्य के अनुसार कोयला उत्पादन को लेकर चर्चा की और जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बारिश की वजह से गेवरा प्रोजेक्ट में जलभराव को देखते हुए खदान से जल निकासी व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा उपायों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद सीएमडी ने गेवरा हाउस में क्षेत्र के विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कोयला उत्पादन बढ़ाने और परिचालन दक्षता को मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक एके त्यागी, मुयालय से महाप्रबंधक ( सुरक्षा ) प्रकाश राय सहित क्षेत्र के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बता दें कि एसईसीएल की गेवरा खदान को चालू वित्तीय वर्ष में 63 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है। इस लक्ष्य के मुकाबला खदान में लगभग 25 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन हुआ है। बारिश की वजह से एसईसीएल की गेवरा के अलावा जिले में स्थित एसईसीएल की अन्य खदानों में उत्पादन कार्य पर खासा असर पड़ा है।

### इको पार्क का किया अवलोकन

एसईसीएल सीएमडी हरीश दुहन ने खदान में कोयला उत्पादन की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही गेवरा खदान में विकसित किए जा रहे रहे ईको पार्क स्थल का भी निरीक्षण किया। सीएमडी ने कोयला उत्पादन के साथ ही पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कहा।

# सेकेंड एंट्री मार्ग में दलदल, आवागमन में परेशानी

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। रेलवे स्टेशन जाने वाले सेकेंड एंट्री मार्ग दलदल में तब्दील हो चुका है। मार्ग से स्टेशन तक पहुंचना परेशानी का सबब बन गया है। जिले में कोयलांचल के साथ-साथ बालकोनगर को जाने वाले रास्ते पर भी इस तरह की समस्याएं लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। समस्या को लेकर कई अवसर पर लोगों को प्रदर्शन करने सडक पर उतरना पड़ा है। कोयला डस्ट और बरसाती पानी ने इस मार्ग को और भी खतरनाक बना दिया है। इस रास्ते से हर दिन हजारों लोग गुजरते हैं, लेकिन उन्हें गिरने, चोटिल होने और कपड़े खराब होने जैसे जोखिम उठाने पड़ रहे हैं। कोरबा का यह रास्ता गर्मी में उड़ती धूल और बरसात में कीचड़

से लोगों की मुसीबत बना हुआ है। यहां पैदल चलना तो दूर, वाहन चलाना भी किसी चुनौती से कम नहीं। आए दिन हादसे होते हैं और लोग चोटिल हो जाते हैं। इस मार्ग से होकर बड़ी संख्या में लोग एसईसीएल के बेसिक इंजीनियरिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और रेलवे स्टेशन की सेकंड एंट्री तक पहुंचते हैं। रास्ते की दुर्दशा के कारण उनके सामने कड़वे अनुभव बढ़ते जा रहे हैं। लंबे समय से लोग इस सडक की मरम्मत की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। शिकायत है कि अनेक अवसर पर रेल अधिकारियों, प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन के अलावा जनप्रतिनिधियों को इस बारे में अवगत कराया गया। उनसे परेशानियां बताई गई और इसके साइड इफेक्ट भी साझा किए गए, लेकिन किया कुछ भी नहीं। लोगों ने और भी स्तर पर इस मामले की जानकारी दी और अपने तरीके से चेताया। इतना सबकुछ होने पर भी इस रास्ते का उद्धार नहीं हो सका है। लोगों को लगने लगा है कि क्या इस रास्ते का सुधार उनके लिए सिर्फ एक सपना बनकर रह जाएगा। जिले में कोयलांचल के साथ-साथ बालकोनगर को जाने वाले रास्ते पर भी इस तरह की समस्याएं लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। इन मामलों को लेकर कई अवसर पर लोगों को प्रदर्शन करने सडक पर उतरना पड़ा है।

# पंचायत स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। जनपद पंचायत कोरबा में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् एक दिवसीय विकासखण्ड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें अनुसूचित जनजातियों के विकास व कल्याण से जुड़े हुए प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति हेतु किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, पशु विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जल संसाधन विभाग आदि के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान आदि कर्मयोगी अभियान के उद्देश्यों, आदि सेवा केन्द्र की स्थापना, विकासखण्ड स्तरीय कलस्टर, आदि सहयोगी संस्था के विषय में जानकारी दी गई थी। साथ ही प्रशिक्षण उपरांत निर्धारित समय सीमा में ग्राम स्तर पर ट्रायबल विलेज विजन 2030 निर्माण करने की जानकारी दी गई थी। इसी कड़ी में जनपद पंचायत कोरबा में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् एक दिवसीय पंचायत स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विलेज मास्टर ट्रेनर के रूप में जनपद पंचायत कोरबा अंतर्गत सभी पंचायत के सरपंच, सचिव, शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यशाला के माध्यम से ट्रेनिंग दी गई। ट्रेनिंग में ब्लॉक मास्टर ट्रेनरों द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान के प्रारूप/प्रपत्र के विषय में, बसाहट का नक्शा तैयार करना एवं गांव के एक-एक बसाहट में समूह के रूप में, कार्य करने के तरीकों की जानकारी दी गई। आदि कर्मयोगी अभियान को प्रभावी रूप से संचालन कर जनजातीय उत्थान हेतु कार्यशाला के माध्यम से संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण पर आधारित विभिन्न विभागों के सक्रिय भागीदारी नेतृत्व व समन्वय से इस अभियान का ध्येय सेवा, समर्पण एवं संकल्प प्राप्त करना है।

# यातायात नियमों की अनदेखी से शहर में बढ़ी जाम की समस्या

## शहर के ट्रांसपोर्ट नगर चौक पर सबसे अधिक परेशानी

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। शहर की यातायात व्यवस्था दिन-प्रतिदिन चरमरा रही है। जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। शाम को सड़क पर यातायात का दबाव अधिक बढ़ जाता है दिन में यातायात नियमों की अनदेखी भी अधिक होती है।

सबसे गंभीर स्थिति शहर के ट्रांसपोर्ट नगर चौक पर है। यहां यातायात नियम का पालन नहीं हो रहा है। इसे तोड़ने में छोटी-बड़ी सभी गाड़ियों के चालक आगे हैं। लोग यातायात नियम का पालन करें, इसके लिए ट्रांसपोर्ट नगर चौक पर अलग-अलग दिशाओं में यातायात संकेतक लगाए गए हैं। इसका मकसद ट्रैफिक नियमों का पालन कराना है। एक दिशा से जब ट्रैफिक सिग्नल हरी होती है तब गाड़ियां आगे बढ़ती है । इस दौरान तीन दिशाओं की सिग्नल लाल रहती है। लेकिन अभी यहां रेड सिग्नल को जप करने के मामले बढ़ गए हैं। यातायात पुलिस की मौजूदगी में भी लोग सिग्नल जंप करने से नहीं चुकते। पुलिस ऐसे लोगों को देखकर सीटी बजाती है बावजूद इसके लोग नियमों की अनदेखी कर सिग्नल तोड़कर आगे निकल जाते हैं।

यह तब हो रहा है जब टीपी नगर चौक शहर का व्यस्ततम चौराहा है। सिग्नल तोड़ने या जंप करने की घटनाएं सीएसईबी चौक पर भी देखी जा रही है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

# विलंब से पहुंची शिवनाथ और लिंक एक्सप्रेस

कोरबा ( छ.ग.गौरव )। ट्रेनों की लेटलतीफी की समस्या एक बार फिर शुरू हो गई। रविवार को शिवनाथ एक्सप्रेस और लिंक एक्सप्रेस लगभग 50 मिनट की देरी से कोरबा स्टेशन पहुंची। शिवनाथ एक्सप्रेस का कोरबा पहुंचने का निर्धारित समय सुबह 9.15 बजे है। जबकि गाड़ी 10.05 बजे के बाद पहुंची। लिंक एक्सप्रेस को कोरबा पहुंचने का तय समय सुबह 11.15 बजे है। यह गाड़ी 12.05 बजे के बाद पहुंची। इस दौरान यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा ( छ.ग. ) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623